door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 261 | गुवाहाटी | सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कांग्रेस का घोषणा पत्र माओवाद की सोच को धरती पर उतारने की कोशिश : नरेंद्र मोदी पेज 2
असम में टीएमसी का परचम लहराएंगे : सुष्मिता देव पेज 3
कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को... पेज 5
किंग खान के मुरीद हुए गंभी, शाहरुख की खूबी का बखान करते हुए दिया... पेज 7

असम की 11 सीटों पर किसी दल के साथ भाजपा का मुकाबला नहीं : सीएम

डिफू (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम की 14 लोकसभा सीटों में से 11 सीटों पर भाजपा का किसी भी पार्टी के साथ कोई मुकाबला नहीं है। जिन पांच सीटों पर चुनाव हुए हैं, उसमें भाजपा को क्लीन स्वीप मिला है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा रविवार को डिफू में भाजपा उम्मीदवार अमर सिंह टिसो के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एकमात्र धुबड़ी लोकसभा सीट पर एनडीए उम्मीदवार को मुकाबला करना होगा। इस सीट पर मुकाबला कांग्रेस के साथ नहीं, बल्कि एआईयूडीएफ से होगा। उन्होंने कहा कि वह अब तक धुबड़ी नहीं गए हैं, इसलिए धुबड़ी के विषय में कुछ कहना मुश्किल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने अच्छे कार्यों के लिए लगातार आगे बढ़ रही है। सभी लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेम करते हैं। इसलिए भाजपा का प्रदर्शन अच्छा हो रहा है। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि नगांव सीट पर भी भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर रही है। जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए मंगलवार को वे नगांव जाएंगे और वहां एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के कई प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए। उधर शर्मा ने कहा कि असम में अब कोई कांग्रेस नहीं है... हमारा मुकाबला ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) से है... नगांव और करीमगंज में कांग्रेस तस्वीर में नहीं है। उन्होंने भाजपा के प्रभुत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 5 सीटों पर हमें क्लीन स्वीप मिला है... असम की 11 सीटों पर कोई मुकाबला या चुनाव नहीं है... भाजपा इन सभी सीटों पर जीत रही है और यह क्लीन स्वीप है। मुख्यमंत्री ने -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री ने सिलचर में किया रोड शो

कछार (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को बराक घाटी के कछार जिला मुख्यालय सिलचर में एक रोड शो (विजय संकल्प यात्रा) में भाग लिया। इस दौरान गृहमंत्री के साथ मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा, सिलचर सीट से भाजपा के उम्मीदवार परिमल शुक्लबैद्य के साथ ही कई वरिष्ठ भाजपा के नेता मौजूद थे। गृहमंत्री के रोड शो में बड़ी संख्या में बराक घाटी के लोग उमड़ पड़े। रोड शो के दौरान सिलचर की मुख्य सड़कों पर सभी वर्ग के लोगों ने उनका स्वागत किया। -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में पुलिस पर हमला : अभिनेत्री कोरोबी शर्मा समेत दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में पुलिस अधिकारी पर हमला करने के मामले में अभिनेत्री कोरोबी शर्मा और मयूरी गौतम को रविवार को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, रविवार की सुबह गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के एक बार में एक पुलिस अधिकारी पर बेरहमी से हमला किए जाने का आरोप लगा था। बताया गया कि प्रदीप बसुमतारी नामक पुलिस अधिकारी और ईसीएचओ स्थानीय बार के कर्मचारियों के बीच टकराव हुआ। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि पुलिस अधिकारी बसुमतारी के साथ पहले कहासुनी हुई। फिर मारपीट में बदल गई। -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार का सभी राज्यों को निर्देश, कहा-

अवैध अंग प्रत्यारोपण हो, तो रद्द करें अस्पताल का लाइसेंस

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे अवैध रूप से देश में चल रहे अंग प्रत्यारोपण के मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि जो भी अस्पताल अवैध रूप से अंग प्रत्यारोपण या अंग प्रत्यारोपण के लिए बने कानून का उल्लंघन करता पाया जाए, उसके लाइसेंस को रद्द किया जाए। भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के डायरेक्टर जनरल डॉ. अतुल गोयल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस संबंध में पत्र लिखा है। इस पत्र में डॉ. गोयल ने कहा है कि सभी अंग प्रत्यारोपण के सभी आंकड़े मासिक आधार पर राष्ट्रीय अंग -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

अब 75 प्रतिशत अंक पाने वाले छात्र सीधे ले सकेंगे पीएचडी में दाखिला

नई दिल्ली। चार वर्षीय स्नातक कोर्स कर रहे या फिर करने जा रहे विद्यार्थियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। अब वह इस कोर्स को करने के बाद सीधे पीएचडी में दाखिला ले सकेंगे और यूजीसी नेट के लिए आवेदन भी कर सकेगे। उन्हें इसके लिए अब परास्नातक (पोस्ट ग्रेजुएट) करने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि पीएचडी में दाखिले के लिए उन्हें चार वर्षीय स्नातक कोर्स में कम से कम 75 प्रतिशत अंक या फिर उसके समकक्ष ग्रेड हासिल करना होगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत शुरू किए गए चार वर्षीय स्नातक कोर्सों की ओर विद्यार्थियों के रुझान को बढ़ाने के लिए यह अहम कदम उठाए हैं। यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश कुमार के अनुसार, यह व्यवस्था इसी वर्ष से लागू हो जाएगी। इस दौरान एससी, एसटी, ओबीसी (नान-क्रीमी लेयर), दिव्यांगजनों और ईडब्ल्यूएस विद्यार्थियों को पीएचडी -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी का सोनिया गांधी पर तंज

जो चुनाव नहीं जीत सकते, वे राजस्थान से रास में आए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा सदस्य बनने पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग चुनाव नहीं जीत सकते वे *मैदान से भागकर* राजस्थान से राज्यसभा में आए हैं। प्रधानमंत्री ने भीनमाल (जालोर) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि पार्टी ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उसके इन्हीं पापों की सजा आज देश पार्टी को दे रहा है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने कभी देश में 400 लोकसभा सीट जीतीं थीं, आज वह 300 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। मोदी ने कहा कि जो लोग चुनाव नहीं लड़ सकते, चुनाव जीत नहीं सकते.. वे मैदान से भाग कर इस बार राजस्थान से राज्यसभा में आए हैं। कांग्रेस की इतनी हालत खराब है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी फरवरी में राजस्थान से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने वाले सांसदों में शामिल हैं। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के कई दिग्गजों को मैदान में नहीं उतारा गया हालांकि पार्टी ने उन अटकलों को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कार्य का स्वरुप निर्धारित हो जाने के बाद वह कार्य लक्ष्य बन जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में नाव डूबने से 58 की मौत

बंगुई (हि.स.)। मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यात्रियों को ले जा रही नौका के नदी में डूब जाने से उसमें सवार 58 लोगों की मौत हो गई है। नाव में क्षमता से अधिक यात्रियों के भरे होने के कारण हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने शनिवार को बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर क्रैश, एक की मौत व 7 लापता

टोक्यो। जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर के टोक्यो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग अभी लापता है। देश के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि शनिवार रात प्रशिक्षण के दौरान दोनों हेलीकॉप्टर एक दूसरे से टकरा गए। इन हेलीकॉप्टर में चालक दल के आठ सदस्य थे। रक्षा मंत्री मिनोरू -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे और अभिषेक को किया जा रहा है टारगेट, हमारी जान सुरक्षित नहीं : ममता

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बालुरघाट की सभा में बिना किसी का नाम लिए आरोप लगाया कि वे बम फोड़ने की बात कर रहे हैं। मैं भी निशाने पर हूं, अभिषेक भी निशाने पर हैं। वे हमारी जान भी ले सकते हैं। वे बहुत खतरनाक हैं। याद रखें, हम अपनी सुरक्षा के बारे में नहीं सोचते। हम लोगों की सुरक्षा के बारे में सोचते हैं। बता दें कि शनिवार लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने फिर से राजनीतिक तौर पर संकेत देने वाला संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि अगले हफ्ते की शुरुआत में ऐसा *बम गिरेगा,* जिससे -शेष पृष्ठ दो पर

आपस में भिड़े इंडी गठबंधन के समर्थक खूब चले कुर्सी-डंडे, सिर भी फूटे

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में रविवार को इंडी गठबंधन ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान इंडी गठबंधन के नेताओं ने जमकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। इस बीच रैली से इंडी गठबंधन के समर्थकों का मामला सामने आया है। हालात ये हो गए कि आपस में खूब कुर्सियां और डंडे चले, जिसमें एक शख्स का सिर भी फट गया। मामला उलगुलान रैली के दौरान सामने आया। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। रांची में उलगुलान रैली के दौरान इंडी गठबंधन के समर्थक आपस में ही भिड़ गए। मिली जानकारी के मुताबिक, चतरा जिले के कांग्रेस कैंडिडेट के एन त्रिपाठी के भाई और चतरा जिले के ही आरजेडी समर्थक आपस में ही भिड़ गए। इस मामले में के एन त्रिपाठी के भाई का सिर फट गया। भाजपा आईटी -शेष पृष्ठ दो पर

शिवसेना यूबीटी के प्रचार गीत पर चुनाव आयोग को ऐतराज, भेजा नोटिस

मुंबई (हि.स.)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रचार गीत में *जय भवानी* और *हिंदू हा तूजा धर्म* शब्द प्रयोग करने पर चुनाव आयोग ने ऐतराज जताते हुए पार्टी अध्यक्ष उद्धव बालासाहेब ठाकरे को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे को प्रचार गीत से इन दोनों शब्दों को तत्काल हटाने का भी आदेश दिया है। उद्धव ठाकरे ने रविवार को बताया कि वे इन शब्दों को प्रचार गीत से नहीं हटाएंगे, चाहे भले चुनाव आयोग उन पर कार्रवाई करे। उद्धव ठाकरे ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने प्रचार गीत में इन शब्दों का प्रयोग मतदाताओं को जागृत करने के लिए किया है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने जय भवानी का उद्घोष करते हुए हिंदवी -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया में कोई भी सीएए लागू होने से नहीं रोक सकता : राजनाथ

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला करते हुए उन पर नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के बारे में झूठ फैलाने और लोगों, खासकर मुस्लिम समुदाय को गुमराह करने का आरोप लगाया। सिंह ने कहा कि दुनिया में कोई भी उन शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने के कार्यान्वयन को नहीं रोक सकता, जिन्होंने धार्मिक आधार पर बंगलादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान छोड़ा है। उन्होंने बंगाल में अपनी पहली चुनावी रैली के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार गौरी शंकर घोष के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए संदेशखाली में महिलाओं पर हुए *अत्याचार* का हवाला दिया और कहा कि बनर्जी के नेतृत्व में राज्य में अराजकता है। राजनाथ ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि एक महिला मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बंगाल जैसे राज्य में समाज की माताओं और बहनों के साथ इतनी अमानवीयता और क्रूरता कैसे हो सकती है। उन्होंने लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

आईएनडीआईए की सरकार बनी तो सीएए को लिया जाएगा वापस : चिदंबरम

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि आईएनडीआईए की सरकार बनी तो नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को वापस लिया जाएगा। कांग्रेस ने भले ही अपने घोषणापत्र में इसका जिक्र नहीं किया लेकिन संसद से पहले सत्र में इसे वापिस लिया जाएगा। कांग्रेस के घोषणापत्र के जारी होने बाद कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि पार्टी ने आखिरी समय में इसे अपने घोषणा पत्र से हटाया है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में सीएए का उल्लेख नहीं होने से पार्टी वाम दलों के निशाने पर -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा दोबारा सत्ता में आई तो लोकतंत्र व संविधान कर देंगे खत्म : खड़गे

भोपाल (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को सतना में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि यदि भाजपा अब फिर सत्ता में आई तो यह संविधान और लोकतंत्र को खत्म कर देंगे। खड़गे ने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि 102 सीटों पर वोटिंग हो गई है, उसमें इंडिया गठबंधन को भारी बहुमत मिलेगा। आज लोगों के प्रमुख मुद्दे महंगाई और बेरोजगारी हैं, जिससे सब पीड़ित हैं। केवल एक आदमी उससे पीड़ित नहीं और वो हैं मोदी। भाजपा केवल कांग्रेस को गाली एवं संविधान का सत्यनाश करने का काम कर रही है। भाजपा के सांसद -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कांग्रेस का घोषणा पत्र माओवाद की सोच को धरती पर उतारने की कोशिश : नरेंद्र मोदी

बांसवाड़ा (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कभी दलितों को, कभी आदिवासियों को और कभी अल्पसंख्यकों को डराया। आज भी ये कभी लोकतंत्र को लेकर, संविधान को लेकर, आरक्षण को लेकर भांति-भांति के झूठ फैला रहे हैं। भारत डर से आगे निकल चुका है, इसलिए इनके डर का झूठ नहीं चल पा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी रविवार शाम को राजस्थान के बांसवाड़ा में भाजपा लोकसभा उम्मीदवार महेंद्रजीत मालवीया के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मोदी ने जालोर के भीनमाल में जनसभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा कि इन दिनों कांग्रेस छोड़कर बाहर निकलने वाले गंभीरता से बताते हैं कि कांग्रेस अब कांग्रेस नहीं रही है। अब कांग्रेस अर्बन नक्सलों के कब्जे में चली गई है। कांग्रेस अब वामपंथियों के चंगुल में फंसी हुई है। कांग्रेस का घोषणा पत्र माओवाद की सोच को धरती पर उतारने की उनकी कोशिश है। उन्होंने कहा कि आज देश की सेनाओं की सुप्रीम कमांडर देश की राष्ट्रपति आदिवासी समाज की एक बेटी हैं। भाजपा गरीब कल्याण के लिए समर्पित है, पूरी ईमानदारी से काम करती है। कांग्रेस की दुकान में हमेशा भय, भूख और भ्रष्टाचार ही बिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा दस साल का ट्रैक रिकॉर्ड गवाह है। ये काम सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा ही है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया। अब भाजपा ने एलान किया है कि अगले साल भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव अभियान के रूप में पूरे वर्ष भर हिंदुस्तान के हर कोने में मनाया जाएगा। जब मैं ये बातें बताता हूं तो कांग्रेस वालों के पेट में दर्द शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वाग? इलाके को भी सड़क, रेल और दूसरी कनेक्टिविटी से हमेशा वंचित रखा। आपको ऐसी सुविधाएं देना मोदी की गारंटी है। हमने डूंगरपुर-रतलाम रेल लाइन को वाया बांसवाड़ा से जोड़ने का काम शुरू करवाया। इस काम को भी कांग्रेस ने बरसों तक लटका रखा था। बांसवाड़ा में पावर प्लांट भी बन रहा है। चार जून के बाद ऐसे हर काम को तेजी से पूरा किया जाएगा। हमें विकसित भारत बनाने के लिए बहुत कुछ करना है।

पूसीरे की रेसुब ने 16 नाबालिगों का किया उद्धार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने पिछले एक सप्ताह के दौरान पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान 16 नाबालिगों का उद्धार किया। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने रविवार को बताया है कि वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान, 654 नाबालिगों (409 लड़के और 245 लड़कियां) और 69 महिलाओं को जीआरपी और चाइल्डलाइन एवं एनजीओ के सहयोग से पूसीरे की आरपीएफ ने उद्धार किया। उद्धार किए गए बच्चों एवं महिलाओं को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित चाइल्ड लाइन तथा एनजीओ और जीआरपी को सौंप दिया गया। साथ ही, इसी अवधि के दौरान कुल 12 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 32 व्यक्तियों (25 नाबालिग लड़के, 4 नाबालिग लड़कियां, 2 पुरुष एवं 1 महिला) को उनलोगों से मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया है कि गत 18 अप्रैल की एक घटना में कटिहार की आरपीएफ टीम ने कटिहार रेलवे स्टेशन पर तीन बेसहारा नाबालिग लड़कों को उद्धार किया। इन नाबालिगों को उचित सत्यापन के बाद उनके संबंधित माता-पिता को सौंप दिया गया। 16 अप्रैल को चापरमुख की आरपीएफ टीम ने चापरमुख स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15625 (देवघर-अगरतला एक्सप्रेस) में जांच के दौरान भागी हुई एक नाबालिग लड़की को उद्धार किया।

वकालत सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है : न्यायमूर्ति शमशेरी

वाराणसी (हिंस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने कहा कि वकालत सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है। हम सब को मिलकर समरस समाज के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करना होगा। यहीं डॉ. भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। न्यायमूर्ति शनिवार को यहां दी सेंट्रल बार एसोसिएशन वाराणसी के सभागार में डॉ. भीम राव अम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में अधिवक्ता परिषद काशी की ओर से आयोजित समरसता दिवस संगोष्ठी को सम्बोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने काशी से अपने आत्मीय जुड़ाव, वर्ष 1978 से 1984 तक अपने पिता के विभिन्न न्यायिक पदों पर रहने के दौरान की यादों को ताजा किया। उन्होंने संविधान निर्माण में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका को याद किया। मूल संविधान में 22 चित्रों की चर्चा किया जो समरसता को प्रदर्शित करते हैं। संविधान की प्रस्तावना में बंधुता शब्द एक समरस राष्ट्र की कल्पना को साकार करने का संकल्प है। संसद भवन के द्वार पर उकेरी गई पंक्ति (लोक देवर पत्राणनु पश्येम त्वं वयम वेरा) जिसका अर्थ है लोगों के कल्याण का मार्ग खोल दो और उत्तम संप्रभुता का मार्ग दिखाओ। न्यायमूर्ति ने बार के सदस्यों को उनके दायित्व का बोध कराया। गोष्ठी का संचालन अधिवक्ता दुर्गा प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाराणसी रविन्द्र श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री नीरज सिंह, बनारस बार अध्यक्ष अवधेश सिंह, सेंट्रल बार महामंत्री सुरेंद्र नाथ पांडेय, सतेंद्र राय, अशोक सिंह प्रिंस, आरपी पांडेय, विजय शंकर रस्तोगी, राजेश मिश्रा, राकेश श्रीवास्तव, अवनीश त्रिपाठी आदि की मौजूदगी रही।

पीएम ने देश से तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया : अमित शाह

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कटिहार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी देश से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया है। राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के साथ बिहार को भी विकसित करने का काम किया। केंद्र में 2014 से 2024 तक दस साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 09 लाख 80 हजार करोड़ रुपए प्रदेश के विकास के लिए देने का काम किया। इसके अलावे मोदी ने 04 लाख करोड़ रुपए सड़क और पूल, एक लाख करोड़ रुपए रेलवे के विकास के लिए, दो हजार करोड़ रुपए एयरपोर्ट के उत्थान के लिए देने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 करोड़ से ज्यादा घरों में शौचालय, 04 हजार करोड़ पक्का घर गरीब को दिया, 10 लाख महिलाओं को धुंआ से मुक्ति के लिए उज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, 14 हजार घरों में नल का जल सहित कई जनहित में लोगों के लिए बीते 10 साल में काम किया। जबकि 2014 से पहले 10 साल में कांग्रेस और लालू की सरकार ने बिहार को मात्र 02 लाख 80 हजार करोड़ रुपए दिया। गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में से परिवारवाद, तुष्टीकरण और जातिवादी समाप्त करने का काम किया। जबकि आज लालू और कांग्रेस पार्टी एक होकर भाजपा और नीतीश कुमार के खिलाफ चुनाव लड़कर बिहार में जंगलराज दुबारा लाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि लालू के लालटेन और कांग्रेस की पंजा के साथ खड़ा होने वाले देश में दंगा, अत्याचार, अन्याय, गरीबी और भुखमरी लाना चाहती है।

शर्मनाक : जालौन में तैनात सिपाही को दारोगा ने नहीं दी छुट्टी, डिलीवरी के दौरान पत्नी और बच्ची की मौत

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में पुलिस विभाग को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल, यहां पर एक सिपाही को थानाध्यक्ष ने छुट्टी नहीं दिया था, जिसकी वजह से अपनी पत्नी का इलाज समय पर नहीं करा सका। परिणाम यह रहा कि गर्भवती पत्नी के साथ नवजात बच्चे की मौत हो गई। आपको बता दें कि यह पूरा मामला जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र का है। यहां पर एक सिपाही विकास निर्मल दिवाकर इसी साल यहां आया है। विकास मूलरूप से मैनपुरी का रहने वाला है। उसकी पत्नी ज्योति गांव में परिवार के साथ रहती है। विकास की पत्नी गर्भवती थी और उसका नौवां महीना चल रहा था। पिछले नौ महीने से विकास लगातार अपनी पत्नी के देखरेख के लिए छुट्टी लेकर घर जाया करता था। वह पत्नी का इलाज आगरा में करवा रहा था। डिलीवरी के लिए भी उसे पत्नी को आगरा में ही भर्ती करवाना था। मिली जानकारी अनुसार, सिपाही पिछले माह अपनी पत्नी की चेकअप आदि करवाकर वह ड्यूटी पर आ गया था। इस बीच शुक्रवार को पत्नी को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। विकास ने तत्काल अपने थानाध्यक्ष को एप्लीकेशन दी कि उसे पत्नी की देखभाल के लिए घर जाना है। लेकिन थानाध्यक्ष ने यह कहते हुए एप्लीकेशन अस्वीकार कर दी कि तुम बहुत छुट्टियां ले चुके हो। इस बात विकास बहुत निराश हुआ। उसने घर वालों से कहा कि तत्काल पत्नी को लेकर अस्पताल जाइए। मैनपुरी में उसके घर वाले पत्नी को लेकर कुरावली सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर्स ने उसका ट्रीटमेंट शुरू किया। थोड़ी देर बार पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया। लेकिन दोनों की तबियत ठीक नहीं थी। यहां से दोनों को मैनपुरी जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कुछ घंटे यहां पर इलाज किया गया, लेकिन हालत ठीक नहीं हो रही थी। इसलिए दोनों जच्चा-बच्चा को आगरा रेफर कर दिया गया। एंबुलेंस से जब वह आगरा के लिए निकले तो रास्ते में ही दोनों ने दम तोड़ दिया। विकास की पत्नी की यह पहली डिलीवरी थी। गौरतल है कि सिपाही की वर्ष 2018 में विकास की नौकरी लगी थी। 3 साल पहले उसकी शादी हुई थी। नौकरी, शादी और अब बच्चे की तैयारी। घर बहुत ही खुशियों का माहौल था। परिवार वालों के मुताबिक विकास अपनी पत्नी की बहुत केयर करता था। लगातार उसकी देखरेख और हमेशा अच्छे डॉक्टर को दिखाकर उसका इलाज करवा रहा था। उस दिन भी अगर उसको छुट्टी मिल जाती तो तत्काल उसे लेकर आगरा चला। यदि ऐसा होता तो उसकी जान बच सकती थी। पुलिस महकमे की एक लापरवाही से मां-बच्ची दोनों की जान चली गई।

पृष्ठ एक का शेष

असम की 11 सीटों ...

दूसरे चरण के मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की संभावनाओं के बारे में आशा व्यक्त की। शर्मा ने कहा कि भाजपा की स्थिति काफी अच्छी है...नगांव में भी भाजपा अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए 23 अप्रैल को एक चुनावी रैली में भाग लेने की योजना बनाई है। वहीं मुख्यमंत्री ने दशकों की हिंसा और उग्रवाद के बाद राज्य के पहाड़ी जिलों में शांति स्थापित करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों और शासन की सराहना की। सीएम शर्मा कार्बी आंग्लांग के बोकाजान में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने यह टिप्पणी की। शर्मा ने यह भी कहा कि कार्बी आंग्लाग अब डबल इंजन सरकार द्वारा नहीं बल्कि ट्रिपल इंजन सरकार द्वारा चलाया जा रहा है, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद क्षेत्र में विकास लाने में सबसे आगे है। दूसरी ओर, सीएम शर्मा ने भी लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर भरोसा जताया और विपक्षी गुट पर लोगों के बढ़ते अविश्वास पर टिप्पणी की, जिसके इस चुनाव में जीतने की कोई संभावना नहीं है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने ...

कई स्थानों पर भाजपा नेता अमित शाह के काफिले पर पुष्प की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अमित शाह के रोड शो में जिस तरह से लोगों की भीड़ उमड़ी है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि बराक घाटी की जनता ने भाजपा उम्मीदवारों को विजयी बनाने का मन बना लिया है।

गुवाहाटी में पुलिस...

जिसके परिणामस्वरूप बसुमतारी की जमकर पिटाई की गई। बसुमतारी ने आरोप लगाया कि उस पर डीजल डालकर जलाने का भी प्रयास किया गया। इस मामले में अभिनेत्री कोरोबी शर्मा और मयूरी गौतम को रविवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच चल रही है।

अवैध अंग प्रत्यारोपण...

एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन के साथ साझा किए जाने चाहिए। इनमें देश के नागरिकों के साथ ही विदेशी नागरिकों के आंकड़े भी होने चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय का यह आदेश हरियाणा और राजस्थान में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण के रैकेट के खुलासे के बाद सामने आया है। जिसमें बांग्लादेश के लोग भी शामिल थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पत्र में लिखा कि देश में विदेशी नागरिकों को होने वाले अंग प्रत्यारोपण के दर्ज मामलों में उछाल देखा गया है। ऐसे में इन मामलों की भी समीक्षा की जानी चाहिए। मानव अंग प्रत्यारोपण एवं ऊतक कानून,1994 कानून के तहत राज्य द्वारा नियुक्त टीम को अपने-अपने राज्यों में विदेशी नागरिकों को हुए अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच की जानी चाहिए है। पत्र में डॉ. गोयल ने ये भी लिखा कि कानून का उल्लंघन हो तो सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए और अवैध अंग प्रत्यारोपण में शामिल अस्पताल का रजिस्ट्रेशन रद्द करने जैसी कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार ने अंग दान देने वाले व्यक्ति और अंग दान लेने वाले व्यक्ति दोनों की आईडी बनाना अनिवार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही ऐसी व्यवस्था बनाने को कहा है, जिसमें सरकारी अधिकारी समय-समय पर अंग प्रत्यारोपण के मामलों की जांच और समीक्षा करते रहें। सरकार ने अंग प्रत्यारोपण के मामलों पर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। बीती 4 अप्रैल को हरियाणा के गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग की एक टीम ने एक होटल पर छापा मारकर एक रैकेट का भंडाफोड़ किया था, जिसमें पैसे के बदले लोगों की किडनी निकालकर उन्हें मरीजों में प्रत्यारोपित किया जा रहा था। जयपुर के दो निजी अस्पतालों में यह रैकेट चल रहा था। इस मामले में बांग्लादेश के नागरिकों को पैसों का लालच देकर उनकी किडनी निकाली जा रही थी।

अब 75 प्रतिशत ...

के दाखिले में पांच प्रतिशत या उसके समकक्ष ग्रेड की छूट भी मिलेगी। इसके साथ चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले छात्र अब सीधे यूजीसी नेट के लिए भी आवेदन कर सकेंगे। इनमें ऐसे छात्र भी आवेदन कर सकेंगे जोकि चार वर्षीय स्नातक कोर्स के अंतिम वर्ष में होंगे। आयोग ने इसके साथ ही चार वर्षीय स्नातक कोर्स करने वाले छात्रों को एक और बड़ी राहत दी है। यूजीसी नेट के लिए उन्हें विषयों की बाध्यता से छूट दे दी है। यानी अब वह कोई भी विषय चुन सकेंगे। उनके लिए अब इसकी अनिवार्यता नहीं होगी कि स्नातक में उन्होंने जो विषय पढ़े हैं, उनका ही चयन करना है। हालांकि उन्हें आवेदन के दौरान विषय तय करने होंगे।

जो चुनाव नहीं जीत...

खारिज कर दिया है कि वे चुनाव लड़ने से कतरा रहे थे। राजस्थान में पहले चरण के मतदान की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर सजा दी है। उसे बराबर सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत राजस्थान ये जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश को 2014 के पहले जो हालात थे वो हालात वापस नहीं चाहिए। मोदी ने कहा कि (तब) हर कोई कांग्रेस की कमजोर सरकार को आता जाता हर कोई धमकाता था और हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था। सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। कैबिनेट से पास हुए अध्यादेश को उनकी पार्टी के ही एक नेता मीडिया की बैठक में बड़े रौब से फाड़ कर फेंक देते थे। उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्बल अवस्था देश को मजबूत बना सकती है क्या? आप मुझे बताइये अस्थिरता की प्रतीक कांग्रेस पार्टी और उनका कुनबा देश को चला सकता है क्या? आज कांग्रेस पार्टी की जो हालत हुई है उसकी गुनहगार वो खुद है। मोदी ने आरोप लगाया कि 60 वर्षों तक राज करने वाली कांग्रेस ने हमारी माताओं-बहनों को शौचालय, गैस, बिजली, पानी, बैंक खाते जैसी छोटी छोटी चीजों के लिये तरसाया है। उन्होंने कहा कि इसी कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया और उनके इन्हीं पापों की सजा आज देश कांग्रेस को दे रहा है और खासकर के देश का युवा इतना गुस्से में है वो दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता है। मोदी ने विपक्षी गठबंधन *इंडिया* पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन्होंने अवसरवादी *इंडी एलायंस* बना लिया है। उसकी पतंग उड़ने से पहले ही कट गई है। कहने को तो गठबंधन है लेकिन कई राज्यों में ये गठबंधन वाले ही आपस में ही लड़ रहे हैं। इस लोकसभा चुनाव में देश की 25 प्रतिशत सीट ऐसी हैं, जहां ये गठबंधन के लोग एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य की गत कांग्रेस सरकार ने जल जीवन मिशन योजना में घोटाला किया व उसका काम नहीं होने दिया। मोदी ने कहा कि अब हमारी भजनलाल सरकार आयी हैज् वो घोटाले की जांच भी कर रही ... अगर यहां कांग्रेस सरकार ना होता तो अब तक हम हर घर जल के लक्ष्य के बहुत निकट पहुंच जाते है। उन्होंने कहा कि अभी हमें राजस्थान के विकास को, देश के विकास को नई बुलंदी देनी है। ये संकल्प लेकर मैं चल पड़ा हूं। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। *विकसित भारत-विकसित राजस्थान* बनाना है। राजस्थान में लोकसभा की 25 सीट हैं। पहले चरण में 12 सीट पर मतदान 19 अप्रैल को हुआ था और बाकी बची 13 सीट पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होना है।

मुझे और अभिषेक ...

तृणमूल कांग्रेस हिल जाएगी। शनिवार को विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मालदा रतुआ की सभा में कहा था कि आप देखेंगे, मैं डिटेल नहीं बताऊंगा। अगले सप्ताह की शुरुआत में ऐसा बम गिरेगा कि टीएमसी में अव्यवस्था फैल जाएगी। शांत रहें। तृणमूल को बढ़त नहीं मिलेगी। हालांकि, मंच से उतरने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने साफ किया कि उनका मतलब राजनीतिक विस्फोट से था। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि ऐसा कोई राजनीतिक विस्फोट होने वाला है, जो टीएमसी के लोगों को हिला देगा। आज बालुरघाट की सभा में तृणमूल सुप्रीमो ने बिना नाम लिए इस मुद्दे पर पलटवार किया। ममता बनर्जी ने सवाल कि क्या आप बम मारने वाले हैं? अगर तुममें हिम्मत है तो आज बताओ। छुपे क्यों हो? ड्रामा करने में थोड़ा ज्यादा समय लगता है या नहीं? तृणमूल नेता ने भाजपा खेमे को जवाबी चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे पास भी जानकारी है। आपने बंगाल को बदनाम करने के लिए बाहर से कुछ उपद्रवियों को यहां भेजा है, लेकिन हम भी देखेंगे, लेकिन ममता ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी बम के बदले बम नहीं, बम के बदले रवींद्र संगीत में विश्वास करती है। टीएमसी सुप्रीमो ने कहा ने बिना शुभेंदु अधिकारी का नाम लिए बिना कहा कि वह उन्हें बता दें कि बम विस्फोट करने की धमकी से नहीं डरती हैं। वे अपनी संपत्ति बचाने के लिए डर से भाजपा में शामिल हो गए हैं। बता दें कि टीएमसी के पूर्व मंत्री शुभेंदु अधिकारी राज्य में 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे। टीएमसी सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य में परेशानी पैदा करने के लिए बाहरी लोगों को ला रही है। ममता बनर्जी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर दूरदर्शन जैसे स्वतंत्र संस्थानों को भगवा रंग में रंगने का आरोप लगाया। ममता ने भाजपा पर धर्म आधारित वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया और सवाल किया, दूरदर्शन का लोगो अचानक भगवा क्यों हो गया? सेना के जवानों के आधिकारिक आवासों को भगवा रंग में क्यों रंगा गया? काशी (विश्वनाथ मंदिर) में पुलिस की वर्दी भगवा रंग की क्यों कर दी गई? उन्होंने कहा, हम फैसले (दूरदर्शन के लोगो का रंग बदलने) का कड़ा विरोध करते हैंज्यह भाजपा के निरंकुश शासन का एक और उदाहरण है। यदि वह सत्ता में बनी रहती है तो भविष्य में कभी चुनाव नहीं होंगे। एक व्यक्ति, एक पार्टी का शासन होगा और विभिन्न समुदायों के धार्मिक अधिकार खतरे में पड़ जाएंगे।

आपस में भिड़े इंडी ...

सेल के हेड अमित मालवीय ने वीडियो शेयर कर इंडी गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि ऐसे *हाथ बदलेगा हालात?* रांची में इंडी गठबंधन की सभा में मारपीट का मनोरम दृश्य। इसका *सीट शेयरिंग* को लेकर चल रहे घमासान से कुछ लेना-देना नहीं है। बता दें कि चतरा जिले में आरजेडी अपना कैंडिडेट उतारना चाहती थी और आरजेडी समर्थक इसको लेकर काफी उत्साहित थे लेकिन कांग्रेस ने वहां अपना उम्मीदवार उतार दिया। उसी समय से चतरा के आरजेडी समर्थकों में काफी निराशा है। इसी का नतीजा उलगुलान रैली में देखने को मिला, जहां आरजेडी के समर्थक और के एन त्रिपाठी के भाई के समर्थक आपस में भिड़ गए। हालांकि इस दौरान जिस शख्स का सिर फटा, उसने इस घटना के लिए भाजपा पर आरोप लगाया।

शिवसेना यूबीटी के ...

साम्राज्य की स्थापना की थी। अब चुनाव आयोग को जय भवानी शब्द पर ऐतराज होने लगा है। अपने देश में हम अपने देवी-देवताओं का नाम नहीं ले सकते। उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग के पास प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के भाषण की क्लिप सहित शिकायती पत्र भेजा था, जिसमें इन लोगों ने धार्मिक प्रचार किया था लेकिन अभी तक चुनाव आयोग ने इसका जवाब नहीं दिया है। धार्मिक प्रचार करने पर चुनाव आयोग मोदी-शाह पर कार्यवाही नहीं कर रहा है लेकिन पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करते हुए उन्हें नोटिस जारी किया गया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम चुनाव आयोग के नोटिस को नहीं मानेंगे और जय भवानी प्रचार गीत से नहीं निकालेंगे।

भाजपा दोबारा सत्ता...

का कहना है कि हम संविधान बदलना चाहते हैं, इसलिए 400 सीटें चाहिए। खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत झूठ बोलते हैं। जैसे उन्होंने कहा था कि विदेशों से काला धन लाऊंगा, सबके खाते में 15 लाख आएंगे, हर साल 2 करोड़ नौकरियां दूंगा, किसानों की आय दोगुनी करूंगा के वादे किए थे परंतु लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला, लेकिन हम जो वादे करते हैं। उन्हें पूरा कर दिखाते हैं। कांग्रेस ने मनरेगा, खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसे कानून बनाए और गरीबों के हितों की रक्षा की। वहीं नरेंद्र मोदी बोलते हैं कि मैं गरीबों को मुफ्त राशन दे रहा हूं लेकिन भूल जाते हैं कि ये तो कांग्रेस का बनाया कानून है, जिसमें हम गरीबों को राशन देते आ रहे हैं। खड़गे ने कहा कि अगर इस सरकार को आप फिर वापस ले आए तो ये लोकतंत्र को खत्म कर देंगे तथा बाबा साहब के बनाए गए संविधान को खत्म कर देंगे। अगर उसको जिंदा रखना चाहते हैं, अगर अपने वोट ले अधिकार को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो कांग्रेस पार्टी को वोट दीजिए एवं सिद्धार्थ कुशवाहा को विजय बनाइए। इस दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, राज्य सभा सांसद विवेक तंखा, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, सी. पी. मित्तल, जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा सहित अन्य कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के नेता उपस्थित रहे।

दुनिया में कोई भी...

को आश्वासन दिया कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संदेशखाली के अपराधी छूट नहीं पाएंगे। राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक से अधिक समय से तृणमूल कांग्रेस के शासन के कारण बंगाल अब *अपराध और सांप्रदायिक तनाव* के केंद्र के रूप में कुख्यात है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो कोई भी संदेशखाली जैसा अपराध दोहराने की हिम्मत नहीं करेगा। रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि वह किस तरह की *ममता* हैं, उनका केवल नाम ममता है, लेकिन दिल और दिमाग से उन्होंने गरीबों और आम लोगों के प्रति अपनी सारी करुणा खो दी है। राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि बनर्जी उन अल्पसंख्यक लोगों को, जो एक महीने के रमजान के बाद ईद मनाने के लिए घर लौटे थे, वोट नहीं देने और राज्य के बाहर अपने-अपने कार्यस्थलों पर वापस जाने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कहना चाहिए कि कई चुनावी भविष्यवाणियों में कहा गया है कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में 30 सीटें जीत रही है। उन्होंने लोगों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि प्रधानमंत्री की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, जिन्हें तृणमूल द्वारा लागू नहीं किया गया था, भविष्य में लागू की जाएं। पश्चिम बंगाल के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को याद करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि 30 दिसंबर, 2022 को गुजरात में उनकी (मोदी की) मां के निधन के बाद उनका अंतिम संस्कार करने के उपरांत प्रधानमंत्री ने इस राज्य में रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण सहित 7800 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का अनावरण किया। राजनाथ सिंह ने बनर्जी पर केंद्रीय योजनाओं का उपयोग करके उस पर बंगाल ब्रांड लगाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आम और गरीब लोगों को इन योजनाओं से वंचित कर रखा है। भाजपा नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि क्या तृणमूल ही कांग्रेस पार्टी है, क्योंकि जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी के नारे *गरीबी हटाओ* पूरे भारत में लागू नहीं हुए, उसी तरह बंगाल में प्रचलित अराजकता, भ्रष्टाचार, कमीशन संस्कृति और लूट-खसोट तथा सभी विकास योजनाओं की धनराशि बंद किए जाने के कारण लोगों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। सिंह ने मुर्शिदाबाद के लोगों से पश्चिम बंगाल में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करके 30 सीटें सुनिश्चित करने के बाद वापस लौटने और उनके समक्ष सिर झुकाने का आश्वासन दिया।

आईएनडीआईए की सरकार ...

है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इसको लेकर पार्टी की आलोचना की थी। चिदंबरम ने तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से कहा कि पार्टी कई कानूनों को वापिस लेगी। वे घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष रहे हैं। घोषणापत्र में भले ही इसका उल्लेख नहीं किया गया लेकिन इसे वापिस लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने इसका विरोध में संसद में भी किया था। तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर ने इसके खिलाफ संसद में पार्टी की ओर से पक्ष रखा था। चिदंबरम ने कहा कि गठबंधन सरकार बनने पर एक विशेष कानून लाया जाएगा। इसके तहत जमानत नियम, जेल अपवाद होगा। केरल के महान सपूत जस्टिस कृष्णा के शब्दों में जमानत नियम है, जेल अपवाद है। निचली न्यायपालिका, मजिस्ट्रेट और जिला न्यायाधीशों में इस नियम का शायद ही कभी पालन किया जाता है। हर कोई जमानत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम सीएए, कृषक उत्पादन, व्यापार और वाणिज्य संवर्धन सुविधा अधिनियम 2020, भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य (द्वितीय) अधिनियम को निरस्त कर दिया जाएगा।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य...

300 लोगों को ले जा रही नाव राजधानी बंगुई से गुजरने वाली मपोको नदी को पार कर रही थी, उसी समय हादसा हुआ। स्थानीय नौका चालकों और मछुआरों ने सबसे पहले बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अभियान में शामिल मछुआरे एड्रियन मोसामो ने बताया कि सैन्यकर्मियों के पहुंचने तक 58 शव निकाले जा चुके थे। बंगुई यूनिवर्सिटी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि जैसे-जैसे बचाव अभियान बढ़ रहा है, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। मरने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी का अंदेशा है।

जापानी नौसेना के ...

किहारा ने संवाददाताओं को बताया कि समुद्री आत्मरक्षा बल (एमएसडीएफ) के दो एसएच-60के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य सवार थे और शनिवार देर रात तोक्यो से लगभग 600 किलोमीटर दक्षिण में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया। किहारा ने बताया कि इस हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है लेकिन दोनों हेलीकॉप्टर संभवत: आपस में टकराने के बाद पानी में गिरे। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने एक उड़ान डेटा रिकॉर्डर, प्रत्येक हेलीकॉप्टर से एक ब्लेड और एक ही क्षेत्र में दोनों हेलीकॉप्टर के टुकड़े बरामद किए हैं, जो संकेत देते हैं कि दोनों एसएच-60के एक-दूसरे के करीब उड़ रहे थे। अधिकारी यह पता लगाने के लिए उड़ान संबंधी डेटा का विश्लेषण करेंगे कि दुर्घटना का कारण क्या था। एमएसडीएफ ने चालक दल के लापता सदस्यों की तलाश और बचाव के लिए आठ युद्धपोत और पांच विमान तैनात किए। सिकोरस्की द्वारा विकसित और सीहॉक्स के नाम से जाने जाने वाले इन हेलीकॉप्टर में दोहरे इंजन थे। इनमें *मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज* ने बदलाव किया था और इनका निर्माण किया था।

नब कुमार शरणिया का नामांकन रद्द

गुवाहाटी (हिंस/विभास)। लोकसभा चुनाव में कोकराझाड़ लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार व निवर्तमान सांसद नब कुमार शरणिया का नामांकन जाति प्रमाण पत्र में विसंगतियों के कारण रद्द कर दिया है। उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व गुवाहाटी हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया था कि नब कुमार शरणिया का जाति प्रमाण पत्र फर्जी है। कोर्ट ने कहा था कि शरणिया अनुसूचित जनजाति के नहीं हैं। शरणिया ने अपना नामांकन दाखिल किया था लेकिन चुनाव आयोग ने निर्देश पर निर्वाचन अधिकारी ने उनका नामांकनपत्र खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि पूरी घटना के संदर्भ में राज्य के महाधिवक्ता देबजीत सैकिया ने कहा कि नब शरणिया ने 2011 में ऑल असम ट्राइबल एसोसिएशन से जाति प्रमाण पत्र प्राप्त किया था।

असम में टीएमसी का परचम लहराएंगे : सुष्मिता देव

कछार (हिंस)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की वरिष्ठ नेता तथा राज्यसभा सांसद सुष्मिता देव ने कहा है कि असम विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों की कमी के कारण बराक घाटी के लोगों को वह सुविधा नहीं मिल पाती है जो मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस असम की सभी 126 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि 2 दिन पहले ममता बनर्जी के बाद घाटी दौरे के दौरान लोगों के उत्साह को देखकर पार्टी की उम्मीद जगी है। आने वाले समय में तृणमूल कांग्रेस पूरे दम के साथ असम में लड़ेगी। सुष्मिता ने आरोप लगाया की बराक घाटी के लोगों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा की नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के प्रावधानों को जटिल बनाने की वजह से लोगों को इससे कोई सुविधा नहीं मिली। उन्होंने

आप लगाया कि भाजपा की सरकार ने हिंदू और मुस्लिम दोनों ही बंगालियों को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि एनआरसी के कारण अधिकतम समय बंगाली लोगों को जिस प्रकार से परेशानी में डाला गया उसे कोई भूल नहीं सकता हैं। उन्होंने कहा कि सीएए के जरिए भाजपा सिर्फ राजनीति कर रही है। जिस उद्देश्य से यह कानून बनाया गया उसे पूरा करने में सरकार सफल नहीं। कानून बनने के बाद से लागू करने में इतना अधिक वक्त लग गया। उन्होंने दावा किया कि सीएए के कारण हिंदू बंगालियों का भाजपा से मोह भंग हो गया। सुष्मिता देव यहां एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इस दौरान उन्होंने भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों पर कई आरोप लगाए।

इनर मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र के 11 केंद्रों पर 22 अप्रैल को पुनर्मतदान

इंफाल (हिंस)। भारत चुनाव आयोग ने 22 अप्रैल को इनर मणिपुर संसदीय सीट के 11 केंद्रों पर दोबारा मतदान का आदेश दिया है। आयोग ने 19 अप्रैल को मतदान के दौरान 11 केंद्रों पर हुई अराजकता को देखते हुए मतदान रद्द करने की घोषणा की है। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रदीप कुमार झा ने बताया कि 22 अप्रैल को मतदान का समय सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोग के अनुसार 3/11 मैरंगकम्पु साजेब उच्च प्राथमिक विद्यालय, 3/21 खुरई थोंगगाम लीकाई एस एबोबी प्राथमिक विद्यालय (पूर्वी शाखा), 4/43 बामन कंपू (उत्तर-ए) बामन कंपू उच्च प्राथमिक विद्यालय, 4/44 बामन कंपू (उत्तर-बी) पायनियर अकादमी, 4/45 बामन कंपू (दक्षिण पश्चिम) एरिलबंग हाई स्कूल (उत्तर शाखा), 4/46 बामन कंपू (दक्षिण पूर्व) एरिलबंग हाई स्कूल (दक्षिण शाखा), 5/31 खोंगमान जोन-वी (ए) नेशनल चिल्ड्रेन स्कूल, 10/1 इरोइशेम्बा इरोइशेम्बा हायर प्राइमरी स्कूल (ईस्ट ब्रांच), 10/6 इरोइशेम्बा मामांग लीकाई इरोइशेम्बा हायर प्राइमरी स्कूल (वेस्ट विंग), 10/7 इरोइशेम्बा मायाई लीकाई इरोइशेम्बा हायर प्राइमरी स्कूल (मिडिल) शाखा) और 18 कंथौजम, 18/22 खैदेम माखा खैदेम प्राइमरी स्कूल (दक्षिण शाखा) में पुनर्मतदान होगा।

ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। पुलिस ने रविवार की शाम नगांव जिले के पानीखैती में तीन लोगों को मादक पदार्थ की तीन पेटियों के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। जानकारी के अनुसार नगांव जिले के पुलिस उपाधीक्षक संदीपन गर्ग के नेतृत्व में कठियातली पुलिस की एक टीम ने पानीखैती में छापा मारा और तीन साबुन के बक्सों में भरे ड्रग्स के साथ तीन लोगों को पकड़ लिया। होजाई से नगांव की ओर आ रहे एएस 02 एके 2451 नंबर वाले स्विफ्ट डिजायर गाड़ी में जाए जाने के दौरान ड्रग्स जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान नगांव के सिराजुल इस्लाम, कासिम अली और अबुल फजल के रूप में हुई है।

व्यवस्था को हाथ ही बदलेगा : कांग्रेस

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस की उम्मीदवार मीरा बरठाकुर गोस्वामी ने आज गुवाहाटी की आम जनता के साथ 14 से अधिक चुनाव प्रचार सभाएं कीं। बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा आदि भी मौजूद थे। गौरतलब है कि कांग्रेस पार्टी की नीतियों और आदर्शों से प्रेम करने वाले लालगणेश, बिरुबाड़ी, निजरापार, सातगांव, नूनमाटी, चांदमारी, लोखरा सहित क्षेत्र के लगभग दो सौ भाजपा कार्यकर्ता अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। इस दौरान भूपेन बोरा ने नवीनतम मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया। एपीसीसी अध्यक्ष बोरा ने एक चुनाव प्रचार रैली को संबोधित करते हुए लोगों से मीरा बरठाकुर गोस्वामी को अंतरात्मा की आवाज पर वोट डालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मीरा बरठाकुर एकमात्र उपयुक्त उम्मीदवार हैं जो असम की बहादुर और मजबूत आवाज के साथ दिल्ली में लोगों के लिए लड़ सकती हैं। गुवाहाटी में कांग्रेस उम्मीदवार मीरा बरठाकुर की जीत का मतलब है 2026 में दिसपुर से भाजपा का खात्मा। आने वाले दिनों में पुराने टैक्स, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन पॉलिसी, न लखीमी आदि को लेकर वादा किया कि अगर कांग्रेस के हाथ में सत्ता आती है तो वे पहले की तरह ही सभी योजनाओं को बहाल करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही विभिन्न विपक्षी दलों के नेता और कार्यकर्ता के साथ-साथ आम जनता भी मौजूद थी।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल का शानदार रहा परीक्षा परिणाम

गुवाहाटी। असम माध्यमिक शिक्षा परिषद (सेबा) द्वारा संचालित मैट्रिक की परीक्षा के आज घोषित नतीजों में हर बार की तरह इस बार भी नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन उच्चतर माध्यमिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन रहा। इस वर्ष भी स्कूल के विद्यार्थियों ने पूर्व से और अधिक बेहतर प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय की श्रेष्ठता बरकरार है। आज घोषित नतीजों में स्कूल के सभी विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया हैं। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रीना भौमिक ने बताया कि इस वर्ष आयोजित एचएसएलसी परीक्षा में 89 विद्यार्थी बैठे थे और सभी विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त करने में कामयाब रहे। इनमें से 56 को डिस्टिंक्शन व 32 को स्टार मार्क्स मिले हैं, जबकि अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों में कुल 431 लेटर अंक हासिल किए। चार विद्यार्थियों ने उच्च गणित में व तीन विद्यार्थियों ने साधारण विज्ञान में 100 में से 100 अंक हासिल कर स्कूल का मान बढ़ाया है। वहीं 96त्न अंक हासिल कर राहुल कुमावत स्कूल के टापर रहे। श्रीमती भौमिक ने आज घोषित नतीजों पर

खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस वर्ष राज्य भर में जो सफलता का प्रतिशत रहा है, उसकी तुलना में शिशु निकेतन के बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया है और विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत बरकरार रखने में कामयाब रहे। यही नहीं पिछले तीन वर्षो से विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा है। इसके लिए उन्होंने विद्यालय के सभी बच्चों के अलावा शिक्षकों को हार्दिक बधाई दी।

बरपेटारोड में सैंकड़ों हिंदीभाषी लोगों ने थामा अगप का दामन

बरपेटारोड (निसं)। असम गण परिषद के भातृ संगठन हिंदी भाषी परिषद के सौजन्य में आज बरपेटारोड में सैकड़ों हिंदीभाषी लोगों ने थामा असम गण परिषद का दामन। बरपेटारोड रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास स्थित श्री श्री हनुमान मंदिर परिसर में आज ऑल असम हिंदीभाषी परिषद के सौजन्य में एक योगदान सभा का आयोजन किया गया। सभा में हिंदी भाषी परिषद के आल असम के अध्यक्ष शत्रुध्न चौहान, कार्यकारी अध्यक्ष शंकर सिंह, महा सचिव दीलीप बासफोर, सीमा चौहान, अगप नेता तथा पूर्व सांसद कुमार दीपक दास, अगप दल के वरिष्ठ कार्यकर्ता मन्टु ओझा, असम गण परिषद के भातृ संगठन असम युवा परिषद के केंद्रीय समिति के सचिव मिन्टु शर्मा के उपस्थित में हिंदीभाषी सैकड़ों लोग अ ग प में शामिल हुए। वहीं उसी सभा में हिंदी भाषी परिषद की नई बरपेटा जिला समिति का गठन किया गया। समिति में संजय सोनार को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष कृष्णा गुप्ता, सचिव मन्टु

हिंदीभाषी परिषद की बरपेटा जिला समिति गठित

बासफोर, सह सचिव ललन बासफोर को चयनित किया गया। साथ ही हिंदी भाषी परिषद की वाक्सा में मानास आंचलिक समिति गठन किया गया। पूर्व सांसद कुमार दीपक दास ने पत्रकारों को बताया की असम में अगप के भातृ संगठन दल हिंदी भाषी परिषद काफी दिनों से हमारे साथ है और असम में सभी हिंदीभाषी लोगों को एकजुट कर उनके समस्याओं को समाधान करना ही अगप दल का मुख्य कार्य है। अभी हम गठबंधन दल सरकार का अंग है। और हम इन सभी समस्याओं का हल निकालेंगे। फिल हाल लोक सभा के चुनाव में गठबंधन के प्रत्याशी फणी भुषण चौधरी को हाथी के चिन्ह पर मतदान कर भारी मतों से जीत दिनाने का आह्वान किए। बरपेटारोड का अपना एक गरिमा है। और उस गरिमा को कामयाब रखने के लिए गठबंधन प्रत्याशी को भारी मतों से जीत दिलाऐ। वही पत्रकारों को हिंदी भाषी परिषद के महा सचिव दीलीप बासफोर ने कहा की यह योग दान कार्यक्रम निर्वाचन तक चलेगा। साथ ही उन्होंने असम के सभी हिंदी भाषी लोगों से असम में आचलिकता वादी दल को मजबूत करने का आह्वान जनाए। सभा में मुन्ना चौहान, भोला, पप्पु सिंह, राहुल बासफोर, रुपा कुमारी, राकेश शर्मा, मनोज सिंह, मुन्ना दास रवि दास प्रताप पासवान, पिन्की प्रसाद, मुन्ना गुप्ता सहित भारी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय के ट्रस्ट बोर्ड की सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय के ट्रस्ट बोर्ड की साधारण सभा फैंसी बाजार एमएस रोड में सेंट्रल प्लाजा स्थित पुस्तकालय के सभागार में संपन्न हुई। ट्रस्ट बोर्ड के चैयरमेन आनंद पोद्दार की शरारिक कारणों से अनुपस्थिति से उक्त सभा में राजकुमार तिवाड़ी ने सभा की अध्यक्षता की। सभा में सर्वप्रथम इस वर्ष दिवंगत हुए पुस्तकालय के शुभचिंतकों के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। ट्रस्टी इंचार्ज नारायण खकोलिया ने सभा में उपस्थित सभी ट्रस्टियों का परिचय दिया। सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवाडी ने स्वागत भाषण देते हुए पुस्तकालय के पूर्व अध्यक्ष और ट्रस्ट के निवर्तमान चेयरमैन स्वर्गीय प्रभु दयाल जालान के अलावा पुस्तकालय के नवनिर्मित भवन में अहम योगदान देने के लिए स्वर्गीय बाल किशन जालान के अवदानों को याद किया गया। श्री तिवाडी ने कपूर चंद जैन के बारे में बोलते हुए कहा कि इस पुस्तकालय को प्रतिष्ठित रूप से स्थापित करने के लिए कपूर चंद जैन का विशेष सहयोग

रहा है। नारायण खकोलिया ने बोर्ड की पिछली सभा का प्रतिवेदन पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर मंच पर पुस्तकालय के अध्यक्ष रवि अजितसरिया, संस्थापक ट्रस्टी अनिल जैना, ट्रस्टी इंचार्ज नारायण खकोलिया उपस्थित थे। ट्रस्ट के सभा में ट्रस्ट के अंकेक्षित हिसाब भी प्रस्तुत कियागया। इसके अलावा, ट्रस्ट डीड में संशोधन, पुस्तकालय की नियमावली पर भी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की। सभा में विभिन्न विषयों पर सदस्यों ने अपनी राय व्यक्त की। चूंकि यह चुनाव सभा थी, चुनाव अधिकारी रवि अजितसरिया ने उपस्थित सभासदों को चुनाव में हुई गतिविधियों के बारे में बताया और विभिन्न श्रेणियों में आए हुए नामांकन पत्रों की जानकारी दी। उन्होंने बाद में विजयी उम्मीदवारों की एक सूची सभा के समक्ष पढ़कर सुनाई। उल्लेखनीय है कि ट्रस्ट की विभिन्न श्रेणियों के चुनाव ट्रस्ट बनाने के पश्चात जरूरी हो गए थे। बाद में चुनाव अधिकारी रवि अजितसरिया ने सभी ट्रस्टियों को धन्यवाद दिया। सभा में ट्रस्टी नवल किशोर मोर, सरोज बी जालान, विनोद साबलावत, अनूप पोद्दार, किशन कुमार लोहिया, अनिल थर्ड, कांता अग्रवाल, अशोक चौधरी बृजेश शर्मा, मनोज जालान (प्रोटेक्ट), संजय खेतावत, ताराचंद ठोलिया, दिलीप जालान, सिद्धार्थ नवलगड़िया, किशोर जैन, अशोक सावोटिया, विजय सिंह डागा, डीपी बजाज, सुरेंद्र खेमका, दीनदयाल अग्रवाल, आकाश चौधरी के अलावा अन्य कई आमंत्रित सदस्य उपस्थित थे। अंत में पुस्तकालय के सचिव अशोक सावोटिया ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

दो दिवसीय भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव शोभायात्रा के साथ संपन्न

गुवाहाटी। जीओ और जीने दो का संदेश देने वाले जैनधर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 2623वें जन्म कल्याणक एवं 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य पर धर्म प्रभावना हेतु रविवार को फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन(बड़ा)मंदिर से प्रात: 8:45 बजे श्री दिगंबर जैन पंचायत एवं ओसवाल जैन समाज के चारों घटकों के तत्वावधान में भव्यातिभव्य विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस एमएस रोड स्थित भगवान महावीर धर्मस्थल पहुंची, जहां महावीर प्रसाद पाटनी एवं विजय कुमार गंगवाल के संयोजन में अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए। इस शोभायात्रा में पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र एवं महिलाएं केसरिया परिधान में सम्मिलित हुई। शोभायात्रा में पावापुरी अहिंसा रथ को भी सम्मिलित किया गया तथा भगवान महावीर की जीवंत झलकियों को सुसज्जित किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन विद्यालय के बच्चों ने भी भाग लिया। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि शोभायात्रा में दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीर

जैन (गंगवाल), मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी, संयुक्त मंत्री जयकुमार छाबड़ा, उपाध्यक्ष कमल कुमार गंगवाल, बसंत सुराणा, अशोक छाबड़ा के अलावा काफी संख्या में सकल जैंन समाज के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर एटी रोड स्थित महावीर भवन धर्म स्थल में समाज द्वारा सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। रामचंद्र सेठी आरती संयोजक ने बताया कि कार्यक्रम का समापन संध्या- कालीन श्री जी की आरती के साथ हुआ। इस दो दिवसीय महोत्सव को सफलतापूर्वक आयोजन कराने में श्री दिगंबर जैन युथ फेडरेशन, श्री दिगंबर जैन महिला समिति के अलावा समाज के सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

होजाई : दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन

होजाई (निसं)। होजाई के शिव मंदिर प्रांगण स्थित श्री हनुमान जयंती महोत्सव समिति हनुमान जयंती का भव्य आयोजन दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ करने जा रही है। समिति के सदस्य विनोद गुप्ता से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 22 अप्रैल को 7:30 बजे शोभायात्रा (कलश और ध्वज यात्रा) पंचमुखी हनुमान मंदिर शंकरपट्टी से शिव मंदिर परिसर तक आयोजित होगी। वहीं संध्या 6:00 बजे महाआरती का आयोजन होगा। दूसरे दिन यानी महापूर्णिमा के दिन 23 अप्रैल को शांति पाठ 8:00 बजे से, महास्नान 9:00 बजे से, अभिषेक एवं श्रृंगार 10:30 बजे से, पूजा अर्चना, भोग एवं आरती 11:00, स्वामिणी का भोग 12:30 बजे, हवन 1:00, महाप्रसाद 1:30 बजे, आरती 6:30 बजे व सांस्कृतिक कार्यक्रम 7:00 बजे से होगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु एक कमेटी का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष नारायण प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रितोष कुमार, सचिव मनोज प्रसाद, सहसचिव विजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता, सांस्कृतिक सचिव विजय कुमार गुप्ता सहित कई सदस्यों को कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है जिस कार्यक्रम को सुचारू रूप से आयोजित किया जा सके।

मणिपुर पुलिस ने 47 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 47 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 36 वाहनों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 259 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है।

बंगाईगांव और तेजपुर में जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष में महावीर जयंती आयोजित

बंगाईगांव/तेजपुर। बंगाईगांव में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा द्वारा महावीर जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर तेरापंथ महिला मंडल भवन, दक्षिण से सुबह प्रभात फेरी निकाली गई जिसका समापन तेरापंथ भवन में हुआ। इसके पहले श्री दिगंबर जैन मंदिर से एक शोभायात्रा निकाली गई जो तेरापंथ महिला मंडल से शुरू हुई प्रभात फेरी में समन्वय के साथ सम्मिलित होकर तेरापंथ भवन तक भगवान महावीर की जय जयकार करते हुए पहुंची। उसके पश्चात परम श्रद्धेय युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य मुनि श्री प्रशांत कुमार जी एवं मुनि श्री कुमुद कुमारजी के सानिध्य में एक विशाल धर्म सभा का आयोजन किया गया जिसमें बंगाईगांव के श्रावकों के अलावा गुवाहाटी, बरपेटारोड, कोकराझाड़, धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, बिलासीपाड़ा, अलीपुरद्वार आदि कई जगहों से श्रावकों ने इसमें हिस्सा लेकर धर्म का लाभ लिया। इस सभा में समग्र बंगाईगांव मारवाड़ी समाज के धर्म अनुरागी पुरुष एवं महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली। धर्म सभा की शुरुआत महिला मंडल की बहनों के मंगलाचरण गीत से हुई। इसके पश्चात श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष प्रकाश बैद ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया एवं सभा के आंचलिक प्रभारी सुशील भंसाली ने भी धर्म सभा में अपने विचार

व्यक्त किए। मुनि कुमुद कुमार ने पूरी धर्म सभा के सभी कार्यक्रम को एक माले में सुंदरता से पीरोकर सफल संचालन किया। मुनि श्री प्रशांत कुमारजी ने खचाखच भरे सभा स्थल को संबोधित करते हुए भगवान महावीर के विचारों को बड़ी ही सरलता के साथ सभा में रखे तथा सभी से उनका अनुसरण करने का आह्वान किया। भगवान महावीर के 2623 वां जन्म कल्याणक महोत्सव के दौरान कई श्रावक श्राविकाओं ने बहुत मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें ज्ञानशाला के बच्चों, महिला मंडल की बहनों, युवक परिषद एवं सभा के सदस्यों ने सक्रियता के साथ हिस्सा लिया। ज्ञानशाला के बच्चों ने आपसी भाईचारे तथा भगवान श्री महावीर के जीवन एवं जीवन काल पर बहुत ही हृदय स्पर्शी लघु नाटिका प्रस्तुत की जिसका उपस्थित सभी ने मुक्तकंठ से सराहा। अन्त में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के सचिव श्री रूपचंद कुचेरीया ने सभी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। श्री महावीर जयंती के उपलक्ष में तेरापंथ भवन में आयोजित जन्म कल्याणक महोत्सव को सफल करने में उत्तर तथा दक्षिण के सभा, महिला मंडल, युवक परिषद, ज्ञानशाला के सभी सदस्यों के सक्रिय सहयोग रहा।

तेजपुर से हमारे संवाददाता के अनुसार तेजपुर के सकल जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का 2623वां जन्म कल्याण दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। रविवार को महावीर जयंती के पावन अवसर पर सुबह श्री दिगंबर जैन मंदिर से प्रभात फेरी निकाली गई जो श्री जैन श्वेतांबर गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर पहुंच संपन्न हुई। वही श्री जैन श्वेताम्बर गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर परिसर में आयोजित सेवा कार्य के तहत सैकड़ो लोगो के बीच खिचड़ी और हलवा वितरित किया गया। और शाम चार बजे श्री जैन श्वेतांबर गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गयी जिसमें सामिल सैकड़ो पुरुष महिला युवक युवतियों और बच्चों ने अपने हाथो ध्वजा लिए भगवान महावीर के जयकारे लगाते हुए शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए यह श्री दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। श्री जैन श्वेतांबर गोड़ी पार्श्वनाथ मंदिर के सचिव सुरेश सिरोहिया ने भगवान महावीर स्वामी के तपस्वी जीवन आदेश और उनके द्वारा दिखाए गए अहिंसा के मार्ग के महत्वपूर्ण पहलुओ का स्मरण करते हुए कहा की भगवान महावीर स्वामी ने 30 वर्ष की उम्र में दीक्षा ग्रहण की। 12 वर्ष के कठोर तपस्या के बाद उनको ज्ञान प्राप्त हुआ। ज्ञान प्राप्त होने के बाद ही उन्होंने देशना देना शुरू किया। और उन्होंने मानव मात्र के लिए पांच सिद्धांत दिए, जिनको पंचशील सिद्धांत कहा जाता है। यह सिद्धांत है सत्य, अहिंसा, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, और अपरिग्रह। इन सिद्धांतों पर चलने वाले मानव मोक्ष प्राप्त कर सकते हैं। भगवान महावीर ने अनेकांतवाद का सिद्धांत दिया। उन्होंने कहा जो मैं कह रहा हूं उसमें सत्य का अंश है है, आप जो कह रहे हैं उसमें भी सत्य का अंश है। जिस दिन हम यह करना शुरू कर देते हैं कि मैं जो कह रहा हूं वही सत्य है, हम महावीर के रास्ते से भटक जाते हैं, अनेकांतवाद से एकांतवाद की ओर मुड़ जाते हैं। श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने जियो और जीने का सिद्धांत भी दिया।

संपादकीय

खरीफ का सुखद मानसून

मानसून भारतीय कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए अब भी मायने रखता है। सुखद खबर है कि इस बार मानसून की औसत बारिश सामान्य से अधिक हो सकती है। देश भर में बारिश की कुल मात्रा, 5 फीसदी की त्रुटि के साथ, लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी हो सकती है। बारिश की संभावना जून और सितंबर के बीच जताई जा रही है। यह अनुमान और आकलन भारतीय मौसम विभाग का है। चूंकि बीते साल सामान्य से कम बारिश हुई थी, लिहाजा इस बार यह संभावना सुखद लग रही है। यदि बारिश सामान्य से अधिक हुई, तो लहलहाती खरीफ की फसलों का मानसून साबित होगा। सवाल हो सकता है कि क्या अब भी कृषि, किसान और उनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था मानसून की बारिश के भरोसे है? देश का करीब 46 फीसदी कार्यबल कृषि क्षेत्र में काम करता है। यदि मानसून निरंतर रूप से बेहतर न रहे, तो ग्रामीण आमदनी और उपभोग की मात्रा कम हो सकती है। उनसे अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होगी। बहरहाल मौसम विभाग मई माह के अंत में बारिश के सुनिश्चित अनुमान की घोषणा कर सकेगा। फिलहाल समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलाद्र्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम 'अल नीनो' की स्थिति बनी हुई है। देश में सामान्य से अधिक मानसून की 31 फीसदी संभावना है, जबकि सामान्य से कम मानसून की 8 फीसदी संभावना है और कमजोर मानसून की संभावना मात्र 2 फीसदी जताई गई है। भारत में सिंचाई का विस्तार इतना हो चुका है कि देश की खेती सालाना बारिश के भरोसे ही नहीं है। 2002 और 2009 में कृषि का उत्पादन घटा था, क्योंकि बारिश कम हुई थी, लेकिन खाद्य सुरक्षा का कोई भी संकट सामने नहीं आया, लिहाजा उन दोनों अनुभवों को भूल जाना चाहिए। बेशक सामान्य मानसून कम भी रहा है, तो भी कृषि उत्पादन का रुझान बढ़ोतरी की तरफ रहा है। भारत में 60 फीसदी से अधिक सिंचाई नलकूपों (ट्यूबवेल) के जरिए होती है। यदि भूजल की कमी को लगातार रिचार्ज करके पूरा किया जाता रहे, तो 75 फीसदी सालाना रिचार्ज दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान ही हो जाता है। हम 59 फीसदी से अधिक भूजल को सालाना तौर पर बाहर निकालते हैं, लेकिन कई राज्यों में भूजल की कमी का ऐसा संकट है, जो देश को चिंतित करता रहा है। पंजाब और हरियाणा का उदाहरण सामने है। भारत की समग्र खाद्य सुरक्षा के लिए पंजाब और हरियाणा बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन राज्यों में कई जगह भूजल स्थिरता के बिंदु से भी नीचे है। भूजल को स्थिर और टिकाऊ बनाए रखना जरूरी है। अर्थात भूजल उतना होना चाहिए। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु भारत की 'साइबर सिटी' है। वहां तमाम बड़ी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तर मौजूद हैं। ऐसे शहर में पेयजल का संकट है, तो यह शर्मनाक स्थिति है। निरंतर पेयजल की उपलब्धता और पनबिजली उत्पादन के लिए जलाशयों का स्तर दुरुस्त होना चाहिए। पंजाब और हरियाणा में कुल भूजल निकालने का औसत, देश भर की तुलना में, 2022 में क्रमशः 164.15 फीसदी और करीब 136 फीसदी था। उप्र में भूजल निकालने का यह औसत करीब 71 फीसदी है। कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण पश्चिमी उप्र में भूजल का स्तर निरंतर गिरता जा रहा है, जो चिंतित संकेत है। भूजल के स्तर को स्थिर और निरंतर बनाए रखने के लिए बारिश का पानी जमा करते रहना भी जरूरी है। यदि मौसम विभाग का अनुमान सही साबित हुआ, तो यह भूजल को रिचार्ज करने का भी सकारात्मक प्रयास किया जा सकता है। दुर्भाग्य है कि बारिश के पानी को जमा करने और फिर उसे भूजल के तौर पर इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति हमारे देश में 100 फीसदी नहीं है। भारतीय कृषि की नियति जलवायु-परिवर्तन पर भी आश्रित होगी, इसके आसार दुनिया भर में बनते जा रहे हैं, लिहाजा मानसून की बारिश का सम्मान करना सीखें।

देश भर में बारिश की कुल मात्रा, 5 फीसदी की त्रुटि के साथ, लंबी अवधि के औसत का 106 फीसदी हो सकती है। बारिश की संभावना जून और सितंबर के बीच जताई जा रही है। यह अनुमान और आकलन भारतीय मौसम विभाग का है। चूंकि बीते साल सामान्य से कम बारिश हुई थी, लिहाजा इस बार यह संभावना सुखद लग रही है। यदि बारिश सामान्य से अधिक हुई, तो लहलहाती खरीफ की फसलों का मानसून साबित होगा। सवाल हो सकता है कि क्या अब भी कृषि, किसान और उनके जरिए देश की अर्थव्यवस्था मानसून की बारिश के भरोसे है? देश का करीब 46 फीसदी कार्यबल कृषि क्षेत्र में काम करता है। यदि मानसून निरंतर रूप से बेहतर न रहे, तो ग्रामीण आमदनी और उपभोग की मात्रा कम हो सकती है। उनसे अर्थव्यवस्था प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित होगी। बहरहाल मौसम विभाग मई माह के अंत में बारिश के सुनिश्चित अनुमान की घोषणा कर सकेगा। फिलहाल समुद्री तापमान के ढर्रे में अपेक्षित बदलाव और उत्तरी गोलाद्र्ध में बर्फ की मात्रा को देखते हुए सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान है। अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम 'अल नीनो' की स्थिति बनी हुई है।

कांग्रेस के कार्यकर्ता जानते हैं कि अब पार्टी में 'भारत माता की जय' या 'जय श्री राम' का जयघोष करना खतरे से खाली नहीं है

कांग्रेस का सिमटता प्रभाव और खतरनाक सोच

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कर्नाटक विधानसभा में पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने कहा कि केंद्र सरकार दक्षिण भारत के राज्यों को कम पैसा मुहैया करवाती है। इससे हो सकता है कि हम दक्षिण के राज्य भविष्य में भारत से अलग होने की सोचें। वैसे तो पूछा जा सकता है कि सुरेश बाबू को दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधि किसने बनाया? तमिलनाडु में कांग्रेस कामराज के बाद से लुप्त प्रजाति में शामिल हो चुकी है। डीएमके चुनाव के मौसम में उसे कन्धे पर इस लहजे में उठा लेती है जैसे नई पीढ़ी के ज्ञान के लिए ऐतिहासिक चीजों का प्रदर्शन किया जाता है। लेकिन सुरेश बाबू ने जब से यह रहस्योद्घाटन किया है तब से कम से कम प्रदेश में कांग्रेस के लोगों में यह भय बैठ गया है कि कहीं पार्टी विभाजन को लेकर किसी एजेंडा पर तो नहीं चल रही? पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस की एक विशाल जनसभा हो रही थी। उसमें कांग्रेस में सोनिया गान्धी परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े भी मंचासीन थे। कांग्रेस के एक विधायक लक्ष्मण संवादी भी मंच पर थे। वे भाषण दे रहे थे। उनके मन में इच्छा हो रही थी कि वे मंच पर से 'भारत माता की जय' का नारा लगाएं। लेकिन डर रहे थे कि कहीं इस नारे से पार्टी अध्यक्ष बुरा न मान जाएं। कुछ देर तक लक्ष्मण के मन में डर और श्रद्धा के बीच द्वन्द्व चलता रहा होगा। लेकिन अन्त में राष्ट्रीयता की जीत हुई। उन्होंने मंच पर से ही मल्लिकार्जुन खडग़े से पूछा कि यदि आप बुरा न मनाएं तो मैं 'भारत माता की जय' का एक नारा लगा लूं। आखिर क्या कारण है कि कांग्रेस के कार्यकर्ता जानते हैं कि अब पार्टी में 'भारत माता की जय' या 'जय श्री राम' का जयघोष करना खतरे से खाली नहीं है। इसका अर्थ स्पष्ट है कि कांग्रेस का आम कार्यकर्ता तो देश को अखंड रखने के लिए या फिर अखंड भारत के लिए लालायित है, लेकिन उसका नेतृत्व अपने संकुचित राजनीतिक हितों के लिए भारत को तोडऩे की हद तक भी जा सकता है। महात्मा गांधी से लेकर सोनिया परिवार तक की यह यात्रा सचमुच चौंकाती है। यह यात्रा रघुपति राघव राजा राम से शुरू हुई थी और राम मंदिर के निर्माण के विरोध तक ही नहीं, बल्कि राम के अस्तित्व को ही नकारने तक पहुंच गई है। यही कारण है कि पार्टी प्रधान की हाजिरी में कांग्रेस का विधायक 'भारत माता की जय' का नारा लगाते हुए भी डरता है कि कहीं पार्टी एक्शन न ले ले। दरअसल पिछले कुछ अरसे से भाजपा ने जनसंघ के समय से चले आ रहे अपने अखंड भारत के संकल्प को ज्यादा जोर से कहना शुरू कर दिया है। तब भी शायद

कोई इसको ज्यादा तवज्जो न देता यदि भाजपा ने भारतीय संविधान में से अनुच्छेद 370 को न हटा दिया होता। इससे लोगों में यह विश्वास जगने लगा है कि पार्टी घोषणा पत्र/संकल्प पत्र में जो लिखती है, उसे पूरा करती है। चाहे उसमें कितना ही समय क्यों न लगे। इसके पहले चरण में तो पाकिस्तान के कब्जे से वे इलाके मुक्त करवाना है जो उसने 1947 में कश्मीर पर हमला करके भारत से छीन लिए थे। इसके संकेत प्रधानमंत्री मोदी अनेक बार दे भी चुके हैं। इससे पाकिस्तान का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। लेकिन लगता है पाकिस्तान से ज्यादा चिंता इससे कांग्रेस के नेतृत्व को हो रही है। उस चिंता को व्यक्त करने का तरीका सामान्य नहीं है। उसका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी देश को विभाजित करना चाहती है। आरोप इस प्रकार का है कि आम भारतीय को यह हज्म नहीं होता। सोनिया गांधी परिवार ने ऐसा आरोप मुस्लिम लीग या सीपीएम पर लगाया होता तो शायद भारत के लोग इस पर ज्यादा आश्चर्यचकित न होते। लेकिन यह परिवार ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि इन दोनों के साथ केरल में परिवार का राजनीतिक समझौता है। इसलिए उसने यह आरोप भाजपा पर लगाना आसान मान लिया। लेकिन भाजपा आखिर विभाजन करवाना कैसे चाहती है? परिवार का कहना है कि भाजपा नार्थ-साऊथ डिवाइड के रास्ते पर चल रही है। लेकिन लोग आखिर इसके लिए प्रमाण की मांग करेंगे ही। वैसे यह जरूरी नहीं है कि राहुल गांधी जो भी कहते रहते हैं, उसके लिए कुछ प्रमाण भी उनके पास होते ही हों। वे स्वयं को इस प्रकार के सभी बंधनों से आजाद मानते हैं। सुरेश बाबू का तर्क यदि गहराई से देखा जाए तो कुछ बातें स्पष्ट हो रही हैं। कांग्रेस का कहना है कि 1. उत्तर भारत, पश्चिमी भारत और कुछ सीमा तक पूर्वी भारत के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट देते हैं, इसलिए केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है। 2. दक्षिणी प्रान्तों के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देते, इसलिए भारतीय जनता पार्टी इन दक्षिणी क्षेत्रों से नाराज है। 3. भारतीय जनता पार्टी अपनी यह नाराजगी इन दक्षिणी राज्यों से बदला लेकर निकालती है। बदला लेने का तरीका यही अपनाती है कि इन राज्यों को कम पैसा आवंटित किया जाता है। 4. कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री डीके सुरेश इसका एक ही हल बताते हैं कि फिर दक्षिण के राज्यों को देश से अलग होना पड़ेगा। सुरेश बाबू के तर्कों को निश्चय ही देखना पड़ेगा। सुरेश बाबू कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। कर्नाटक में मुख्य रूप से दो ही राजनीतिक दल हैं। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस। वहां एक बार भाजपा और दूसरी बार कांग्रेस सत्ता में आती है। इससे कोई भी अक्लमंद आदमी यह तो नहीं कहेगा कि कर्नाटक के लोग भाजपा को वोट नहीं देते। दूसरा उदाहरण तेलंगाना का ले सकते हैं। तेलांगना में मुख्य रूप से तीन राजनीतिक दल हैं। कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी। इन तीनों दलों को कुछ अंतर से सम्मानजनक वोट मिलते हैं। इसलिए तीनों राजनीतिक दलों की स्थिति राज्य में बराबर है। शेष दक्षिण के तीन राज्य हैं आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा की स्थिति लगभग बराबर ही है। इन दोनों की स्थिति नगण्य है। इसका अर्थ हुआ कि दक्षिण के राज्यों में भाजपा और कांग्रेस की स्थिति लगभग बराबर ही है। फिर सुरेश बाबू किस हैसियत से मानते हैं कि कांग्रेस को सभी दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधि के तौर पर बोलने का अधिकार है। सुरेश बाबू एक बात शायद भूल रहे हैं कि पिछले दिनों जब राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीता था, तो कर्नाटक विधानसभा के भीतर ही उसके समर्थकों ने खुशी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। तब कांग्रेस के ही कुछ बड़े लोगों ने उसकी निंदा करने की बजाय यह तर्क दिया था कि पाकिस्तान हमारा मित्र देश है, उसकी बात करना गलत कैसे हो गया? शायद उसी के कारण कांग्रेस के आम कार्यकर्ता के मन में कहीं न कहीं डर बैठ गया है कि भारत माता की जय से कांग्रेस नेतृत्व चिढ़ता है और पाकिस्तान जिंदाबाद से नाराज नहीं होता। अंबेडकर को शायद कांग्रेस से इसी बात का अंदेशा था। इसीलिए उन्होंने संविधान सभा में अपने अंतिम संबोधन में चेतावनी दी थी कि हमें इस प्रकार की वृत्तियों से सावधान रहना होगा। इसी के कारण हमारा देश पूर्वकाल में गुलाम होता रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने कहा कि केंद्र सरकार दक्षिण भारत के राज्यों को कम पैसा मुहैया करवाती है। इससे हो सकता है कि हम दक्षिण के राज्य भविष्य में भारत से अलग होने की सोचें। वैसे तो पूछा जा सकता है कि सुरेश बाबू को दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधि किसने बनाया? तमिलनाडु में कांग्रेस कामराज के बाद से लुप्त प्रजाति में शामिल हो चुकी है। डीएमके चुनाव के मौसम में उसे कन्धे पर इस लहजे में उठा लेती है जैसे नई पीढ़ी के ज्ञान के लिए ऐतिहासिक चीजों का प्रदर्शन किया जाता है।

दृष्टि कोण

नक्सलवादः आखिर कब थमेगी अपने ही युवाओं से खून की होली

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ हुई है। इन मुठभेड़ के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को

आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शान्ति का प्रस्ताव भी सामने रखा था लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैण्ड कर दिया गया हैं। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस के गोली का शिकार हुआ हैं। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरफ से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किये जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पायेगा और बस्तर में खून की होली थमेगी। सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहाँ वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित ज़िलों की संख्या 96 थी वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित ज़िलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहाँ नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं। माओवादियों के थिंक-टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग ज़िले के नक्सलबाड़ी नामक गाँव से हुई और इसीलिये इस उग्रपंथी आंदोलन को 'नक्सलवाद' के नाम से जाना जाता है। ज़मींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडऩ पर अंकुश लगाने के लिये सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किये गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया।

कुछ अलग

साहित्य से उनका संन्यास...

बहुत दिनों तक तो साहित्यकार ढोलकी राम जी तय नहीं कर पाए कि उन्हें साहित्य में डटे रहना चाहिए अथवा आउट हो जाना चाहिए। परंतु उन्हें बाद में 'केवल्य' प्राप्त हुआ कि कोई स्वनामधन्य आलोचक उन्हें साहित्य के मैदान में पटखनी देकर चारों खाने चित करे, इससे पूर्व ही स्वयं के तथा साहित्य के हित में इस क्षेत्र को त्याग देना चाहिए। इसलिए एक दिन उन्होंने साहित्य से संन्यास की घोषणा कर दी।

ढोलकी राम जी द्वारा साहित्य से पलायन का समाचार जंगल की आग की तरह पूरे शहर में फैल गया। मुझ तक आया तो मैं सकते में आ गया। तय नहीं कर पाया कि इस घटना से साहित्य की क्षति हुई है या उनकी क्षति। सारी स्थितियों पर छाए संशय के बादल दूर करने की दृष्टि से एक दिन मैं उनके निवास पर जा पहुंचा। अत्यन्त चिंतामग्न मुद्रा में मैंने पूछा-'सुना है आपने साहित्य से पलायन कर लिया है?' 'पहले संशोधन कीजिए-यह पलायन नहीं संन्यास है। पलायन क्या पुरुष करते हैं। मैंने साहित्य में पनपते भीषण प्रदूषण को दृष्टिगत रखते हुए उसकी रक्षार्थ संन्यास का कदम उठाया है।' ढोलकी राम जी बोले। मैंने कहा-'थोड़ा संन्यास का खुलासा कीजिए। गृहस्थ से संन्यास लेना तो समझ में आता है, परंतु साहित्य में संन्यास सर्वथा नई घटना है।

क्रिकेट और फिल्मों में संन्यास भी सुना है, परंतु साहित्य में नया प्रयोग है यह।' 'साहित्य भी लाल क्रिकेट की तरह खेल है-जब तक चौके-छक्के लगते रहे, तो डटे रहो। ज्यों ही बिगडऩे लगे, मैदान छोडऩा कृतित्व एवं व्यक्तित्व के लिए हितकारी होता है। फिल्मों के अभिनय की तरह यह नाटकबाजी भी है। साहित्यकार का चेहरा लगा कर जीना पड़ता है। जब लगे कि आप बेनकाब हो रहे हैं, तो स्थितियों पर से कुहासा हटे, इससे पहले ही साहित्य से पिंड छुड़ा लेना चाहिए।' 'लेकिन ऐसी नौबत क्या थी। यदि आप साहित्य में बने भी रहते तो इससे अनिष्ट क्या होने वाला था? यदि आपने संन्यास ले लिया है तो आप साहित्यकार से घट कर अथवा बढक़र क्या हो गए हैं?' मैंने पूछा। 'देखो भाई, साहित्य में बड़ा धान-मसान हुआ है। हर ऐरा-गैरा-नत्थू-खैरा साहित्यकार बन गया है। पत्रकार भी अपने आपको लेखक समझने लगा है।

भला फिर साहित्य की गरिमा घटेगी अथवा बढ़ेगी? साहित्य का अवमूल्यन हो, इससे पहले मैंने यह कदम उठा लिया। इससे मेरे साहित्यकार का जो अनिष्ट होने वाला था वह बच गया। हुआ कुछ नहीं है, बस फर्क यही पड़ा है कि मेरा 'साहित्यकार' कायम है तथा मैं आदमी बन गया हूं।

पहले व्यर्थ में साहित्यकार को आदमी पर ओढ़े रहना पड़ता था।' ढोलकी राम जी ने समझाया। मैं बोला-'लेकिन सुनने में यह आया है कि आप चुकने लगे थे। नए लोगों के सामने आपका लिखा एकदम कूड़ा लगने लगा था। अखबार-पत्रिकाएं तथा प्रकाशक आपको छापने से कतराने लगे थे एवं आलोचकों ने आपके साहित्य को अत्यंत निम्न कोटि का ठहराया है।

ये स्थितियां और विकृत तथा विकट हों, इससे पहले ही आपने साहित्यकार को बचाने के लिए संन्यास ले लिया।' 'इसमें नई बात क्या है? मैं स्वयं बता रहा हूं कि 'साहित्यकार' को बचाने के लिए मुझे यह कदम उठाना पड़ा। परंतु यह बात बिल्कुल बेबुनियाद है कि नए लेखकों के सामने मैं टिक नहीं पा रहा था-अतः मैं भाग खड़ा हुआ। असलियत तो यह है कि नए लेखक साहित्य का सत्यानाश करने पर तुले हैं।'

देश दुनीया से

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधीः विचार एक सम्यक दृष्टि

तमाम आधारों को देखें तो गांधी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं विरोधी नहीं। ये ही कारण था की गांधी ने 1947 में वाल्मीकि मंदिर (बिरला मंदिर निकट,दिल्ली) में 500 संघ के स्वयंसेवक को सम्बोधित करते हुए देश और समाज के लिए संघ से बड़ी भूमिका की अपेक्षा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसने देश और दुनिया में रह रहे हिदू समाज के भीतर सुप्त पड़े हिदुत्व अस्मिता के भाव का जागरण किया है। वही भारत के स्व उसके गौरवपूर्ण इतिहास को परत दर परत उकेर कर हिदू समाज में स्वभिमान का जागरण किया है। इसी तरह मोहनदास करमचंद गांधी जी महात्मा गांधी ने देश और दुनिया में भारत की चितन परम्परा को विश्व के पटल पर ला हिदुस्थान के मान को बढ़ाया है। महात्मा गाँधी जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनो ही का विचार एवं हेतु भारत को एक समरस, सशत्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने का रहा है। लेकिन फिर भी आज़ादी के इतने वर्षो में गांधी और संघ को लेकर समाज के मानस में एक भ्रम ही सदैव पैदा किया गया की संघ और गांधी जी दोनो एकदूसरे विरोधी है। लेकिन जब हम वुछ ही पन्नो अलट-पलट के देखते है तो यथार्थ वुछ और ही मिलता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधी जी दोनो एक दूसरे के पूरक है। आर. एस. एस. की स्थपाना 1925 में नागपुर में स्वतंत्रता सेनानी डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के द्वारा की जाती है। वे उस समय महाराष्ट्र में कांग्रेस के बड़े नेता थे। हम, देखे तो डॉ. हेडगेवार एवं महात्मा गांधी दोनो में बड़ी पुरकता हमें दिख जाती है। गाँधी अपने चितन में जिस रामराज्य की बात कर रहे थे वही तो हेडगेवार और संघ स्थापना का हेतु है। दोनो ही का मानना था की हम सब एक ही ब्रा के तत्व हैं, ये ही तो हिदुत्व का मौलिक भाव है, लेकिन ये भी सही है की समाज के निरंतर विकास ाम में आयी वुछ सामाजिक वुरुतियो ने समाज के एकात्म भाव को नष्ट किया जिस कारण से मुट्ठी भर मुस्लिम लुटेरों ने भारत जैसे समृद्ध राष्ट्र को अपने अधीन कर लिया। हेडगेवार के मन में ये ही विचार घर कर गया की आज हम आज़ाद हो गए तो भी क्या इस एकात्म भाव के अभाव में हम भविष्य में फिर ग़ुलाम नही हो जायेंगे। इसलिए समस्या का समाधान भारत के एकात्म भाव के जागरण और अपने गौरवशाली इतिहास के स्मरण के आधार पर एक व्यक्ति के निर्माण में निहित हैं। संघ का हेतु भी इसी व्यक्ति निर्माण में निहित हैं, हम परस्पर एक दूसरे की चिता करे ये ही तो भारत का मौलिक दर्शन हैं ये ही तो संघ का समरसता का विचार हैं। इसी ठएकात्म भावठ का निर्माण करना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का भी उदेश्य रहा, गाँधी ने रामराज्य को संगठित समाज इकाईं के रूप में देखा जो एकात्म तत्व पर बिना किसी भेद के संगठित है। ये ही समान ध्येय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी हैं इसलिए, गांधी और संघ भिन्न विचार पर आधारित ना होकर एक ही विचार से जुड़े हैं, जो इस राष्ट्र का विचार हैं। हम गांधी और संघ का विश्लेषण प्रमुख रूप से चार आधार पर आसानी कर सकते हैं। गांधी भारत की सनातनी धर्म, संस्वृति की बात करते हैं ये सनातनी संस्वृति है क्या? क्या ये हिदू धर्म में रची बसी संस्वृति नहीं हैं, डॉ. हेडगेवार बताते हैं की भारत की सनातन संस्वृति ही हिदू संस्वृति है कियुकी हिन्दू ही हमारी राष्ट्रीय पहचान है, वे राष्ट्रीय के स्थान पर हिदू शब्द का प्रयोग करते हैं। जिस सनातन संस्वृति ने सभी को समाज में एक माना और धर्म प्रयाण आचरण करे ऐसी सभी से अपेक्षा की गईं हैं। एकम सत विप्रा बहुदा वदन्ति (सत्य एक ही हैं बड़े लोगों (महत्माओ) ने इसे भिन्न प्रकार से बताने का मात्र कार्यं किया है) के विचार को संघ और गांधी दोनो ही मानते हैं। हमारी हिदू या सनातनी संस्वृति की बात करे तो पूरा समाज आपसी सहयोग के आधार पर ही समाज का संचालन करे, हमारी संस्वृति में पूजा पद्धति भिन्न हैं तो क्या हुआ भगवान को मानता है या नहीं मानता वो नास्तिक है अथवा आस्तिक ये भिन्न होना हम सभी के मध्य कोईं भिन्नता नहीं पैदा करता हैं कियुकी ये सनातनी परंपरा हमें धर्म के आधार पर आपस में जोड़ कर रखती हैं। इसलिए महाभारत में वर्णन हैं की वृतयुग में ना राज्य था, ना राजा, ना दण्ड था, ना दण्ड देने वाला, सब प्रजा धर्म के आधार पर एक दूसरे की रक्षा करते थे। ये धर्म ही तो सनातन हैं गांधी इसी मौलिक तत्व को मानते थे इसीलिए कहते हैं रघुपती राघव राजा राम पति ते पवन सीता राम, ईंश्वर अल्लह तेरो नाम सबको सनमती दे भगवान। वही दूसरा आधार देखे संघ और महात्मा गाँधी दोनो ही भारत के इतिहास और उसके गौरवशाली इतिहास को लेकर काफ़ी आग्रह रखते है। भारत के मानस में अंग्रेज़ी ग़ुलामी ने अपने ही राष्ट्र के प्रति हीनता के भाव का निर्माण कर दिया, अंग्रेज़ कहते थे की भारत असय लोगों की धरती हैं, इनका कोईं इतिहास नहीं हैं और जो इतिहास हैं भी वो भी असमानता, वैमनस्यता और आपसी संघर्ष पर ही आधारित हैं। हम भारत के लोगों को सय बनाने के लिए इस देश में आए हैं, इस विचार ने भारत के जन मानस को वर्षो तक मानसिक रूप से ग़ुलाम बनाये रखा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं विरोधी नहीं। ये ही कारण था की गांधी ने 1947 में वाल्मीकि मंदिर (बिरला मंदिर निकट,दिल्ली) में 500 संघ के स्वयंसेवक को सम्बोधित करते हुए देश और समाज के लिए संघ से बड़ी भूमिका की अपेक्षा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसने देश और दुनिया में रह रहे हिदू समाज के भीतर सुप्त पड़े हिदुत्व अस्मिता के भाव का जागरण किया है। वही भारत के स्व उसके गौरवपूर्ण इतिहास को परत दर परत उकेर कर हिदू समाज में स्वभिमान का जागरण किया है। इसी तरह मोहनदास करमचंद गांधी जी महात्मा गांधी ने देश और दुनिया में भारत की चितन परम्परा को विश्व के पटल पर ला हिदुस्थान के मान को बढ़ाया है। महात्मा गाँधी जी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दोनो ही का विचार एवं हेतु भारत को एक समरस, सशत्त एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने का रहा है।

आप का नजरीया

नसीब में चुनावी खुमार

हिमाचल में टिकट आबंटन की सर्कस में कई पिंजरे, कई दीवारें, कई मजमून और कई जमूरे करतब दिखा रहे हैं। आश्चर्य यह कि चार लोकसभा सीटों के हिसाब में भी हम राजनीति के खंभों पर टंगे हैं। जनता के नसीब में चुनावी खुमार का यह आलम कि यह सदी भी बंटी हुई गुजर रही है। सामाजिक विभाजन में राजनीति की चोंच इतनी लंबी हो गई है कि अपनी ही टेढ़ी कलों में उससे सीधा खड़ा नहीं हुआ जाता और फिर नेताओं का आयात इस शर्त पर कि किसी फैसले की हर घड़ी में हम उसी दौर में घिर रहे हैं, जो अतीत के पन्नों को बर्बाद करते रहे। आश्चर्य यह कि चुनाव के ऊंट उन्हीं प्राथमिकताओं में नेताओं को ढो रहे, जो न प्रदेश के काम आए और न समय में पहचाने गए। जिक्र अब यह कि कहां पंडित से पंडित लड़ाऊं या पंडित से राजपूत को भिड़ाऊं। फलां नेता के वर्चस्व में उसकी औलाद को आजमाऊं। हर रोज हिमाचल की सियासत जातिवाद, क्षेत्रवाद, अवसरवाद और परिवारवाद के पिंजरे में जाकर सोच रही है और जनता को भी भ्रम है कि इस तरह दीवारें टूटेंगी। हमारे नेता वे नहीं जो हम सोच रहे हैं, बल्कि वो हैं जो समाज को टुकड़ों में विभक्त कर सकते हैं। इसलिए टिकट आबंटन में जातियों के मंच ऊंचे और विचारधारा कहीं धरातल पर दब रही है। आश्चर्य यह कि विचारधारा की चिडिया कम से कम हिमाचल में विलुप्त होती जा रही है। रोते हैं वे हार जो कभी तेरी गर्दन पे चढ़े थे, आज उन्हीं को झुका कर तूने विपक्ष को चूम लिया। हिमाचल की राजनीति में जिस तेजी से राजनीतिक प्राणी फडफ़ड़ा रहे हैं, उसे देखकर विचारधारा गौण हो जाती है। गगरेट की जनता जिस दृश्य में चुनाव देख रही है वहां पूर्व विधायक राकेश कालिया का कांग्रेस में आना, शोला है या शबनम, कौन जानता है। कब भाजपा में चले जाएं या लौट के कांग्रेस में आ जाएं, यह एक चुनाव भर का अंतर है। हर तरफ चुनाव की गोपियां नाच रही हैं, भंवरे गीत गा रहे हैं और कहीं मधुमक्खियों के छत्ते में शहद रखा है। कसौटी यही हैं कि भरे बाजार में उतर जाएं तो कुछ तो दाम या दान मिलेगा। पार्टियों के टिकट के अभयदान में छह कांग्रेसी विधायक भाजपा के हो गए। छिक्के टूट रहे हैं और यह उस जनता के सामने हो रहा है जो स्वयं को सियासत की जागरूकता में पारंगत समझती है। जनता के पास कुछ टुकड़े, कुछ विवाद, कुछ जातिगत प्रयोग, कुछ गारंटियां, कुछ मुफ्तखोरी और कुछ स्वार्थी सपने। हम सीमा रेखा में रहकर बदलाव ढूंढ रहे हैं या अपने तूफानों से लडऩे के लिए चिराग खोज रहे हैं। आश्चर्य यह कि हिमाचल अपनी बोलियों में भाषा का सेतु नहीं जोड़ पाया और इसीलिए भाषावाद के सहारे समाज बोरियों में बंद है। हद तो यह कि यही एकमात्र राज्य है जहां 'धामवाद' भी चल रहा है। मेरी धाम उससे बेहतर के नारे पर मदरे झगड़ रहे हैं और पता नहीं उड़द की दाल उबलकर कितनी सूख गई है। प्रदेश के लिए सोचने की तासीर इतनी संकीर्ण रहेगी, तो फिर मंत्री बनकर भी नेता विधायक ही रहेंगे। ऐसे में क्या हमारे सांसद सत्रह विधानसभा क्षेत्रों के साथ न्याय कर पाएंगे। सत्रह विधानसभा क्षेत्रों में ही सही संस्कृति के सेतु पुष्ट करने होंगे। बोलियों से भाषा और खान-पान में धाम का चरित्र राज्य स्तरीय करना ही पड़ेगा।

कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला किया : नरेंद्र मोदी

जालोर (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को जालोर के भीनमाल में पार्टी प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी के समर्थन में चुनावी जनसभा की। इस दौरान तीखा हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने परिवारवाद और भ्रष्टाचार का दीमक फैलाकर देश को खोखला कर दिया। इन्हीं पापों की सजा देश कांग्रेस को दे रहा है। देश का युवा इतने गुस्से में है कि वह दोबारा कांग्रेस का मुंह नहीं देखना चाहता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जालोर आना, हम गुजरात वालों को लगता है, अपने घर आ गए हैं। पार्टी संगठन का काम करता था तब भी और गुजरात में मुख्यमंत्री था तब भी अनेक बार आप सबके बीच आने का मुझे अवसर मिला है। कई परिवारों से भी मेरा परिचय रहा है। कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा कि जिस पार्टी ने कभी 400 सीटें जीती थीं, आज वो 300 सीट पर चुनाव नहीं लड़ पा रही है। आज कांग्रेस को उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं। इन्होंने अवसरवादी इंडी अलायंस बना लिया है। उसकी पतंग उड़ने से पहले कट गई है। कहने को तो गठबंधन है, लेकिन अब हालत देखिए। कई राज्य हैं, जहां ये गठबंधन वाले ही आपस में ही लड़ रहे हैं। इस लोकसभा के चुनाव में देश में 25 प्रतिशत सीटें ऐसी हैं, जहां ये गठबंधन के लोग एक-दूसरे को मारने-काटने में लगे हैं। कांग्रेस की कभी नीयत ही नहीं रही कि किसानों, यहां के लोगों को पानी मिले। इसका एक उदाहरण है सालगांव बांध परियोजना, ये परियोजना साढ़े चार दशक पहले तब बनी थी, जब हर जगह कांग्रेस ही कांग्रेस थी, लेकिन यह योजना कभी पूरी नहीं हुई। अगर यह बांध समय पर बनता तो 30 लाख रुपए से कम में ही बन जाती है। आज इसकी लागत ढाई सौ करोड़ तक पहुंच गई है। अब भाजपा सरकार इसे तेजी से पूरा करने में जुटी है। आपके इस सेवक ने किसान के हर खेत और हर बहन के घर तक पानी पहुंचाना अपना मिशन बनाया। इतिहास में पहली बार जल जीवन मिशन जैसा कार्यक्रम चल

रहा है। सिर्फ पांच वर्ष में ही देश में 11 करोड़ से अधिक नए परिवारों को नल से जल दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी है, आपका सपना ही मेरा संकल्प है। मेरा पल-पल आपके नाम। मेरा पल-पल देश के नाम। शुरुआती इलाज के लिए आपको दूर न जाना पड़े, इसके लिए राजस्थान में 10 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। सिरोह में मेडिकल कॉलेज बनने से बहुत फायदा हुआ है। जालोर में भी मेडिकल कॉलेज बनकर जल्द तैयार होगा। मोदी का मिशन है आने वाले दिनों में ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज बने। मोदी ने कहा कि मकानविहीन लोगों को गारंटी दे देना कि मोदी तीसरी बार आएगा घर पक्का मिलेगा। मेरी बात पर भरोसा करना, मेरे लिए तो आप ही मोदी हैं आप बोलकर आ जाइए, मोदी इसको पूरा करेगा। आप ये भी कह देना माताओं-बहनों को, जो तीन करोड़ मैं नए घर बनाने वाला हूं न, उनमें उनका नंबर लगेगा ही लगेगा और उस परिवार की माताओं बहनों को कहना कि मोदी जो घर देगा न, वो उस मां और बहन के नाम पर देगा। मैं भी आप ही की तरह सामान्य परिवार से आया हूं। मैंने भी परिवार में देखा न बिजली होती थी न पानी होता था, घर में रसोई का चूल्हा धुएं से भर जाता था। बचपन ऐसे ही बिताकर आया हूं, लेकिन जब आज यहां पहुंचा हूं तो मेरे दिल में यही रहता है कि बचपन में जो कठिनाई अपनी मां को भुगतते देखता था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान में आधे राजस्थान ने कांग्रेस को बराबर की सजा दी है, उनको बराबर का सबक सिखाया है। राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत राजस्थान ये जानता है कि कांग्रेस कभी भी मजबूत भारत बना ही नहीं सकती। देश को ऐसी कांग्रेस सरकार नहीं चाहिए। देश में 2014 से पहले के हालात वापस नहीं होने चाहिए। हर कोई कांग्रेस की कमजोर सरकार को धमकाते थे। हर कोई देश को लूटने में जुटा था। प्रधानमंत्री को तो कोई पूछता ही नहीं था। सरकार रिमोट कंट्रोल से चला करती थी। आपने हर बार भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है तो इस बार भी जालोर-सिरोही यही कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार। सभा के दौरान प्रधानमंत्री ने भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी को वोट देने की अपील की। जनसभा में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत भाजपा के कई नेता मौजूद थे।

राजस्थान : सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत

झालावाड़ (हिंस)। झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। ट्राले से वैन की टक्कर हो गई जिससे वैन सवार लोगों की मौत हो गई। वैन सवार लोग मध्यप्रदेश के खिलचीपुर के पास डूंगरी से विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। अकलेरा थाना प्रभारी संदीप बिश्नोई के अनुसार हादसा थाने से करीब 5 किलोमीटर दूर भोपाल मार्ग पर शनिवार-रविवार मध्य रात्रि करीब ढाई बजे हुआ। हादसे में वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर वैन में फंसे घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, एक घायल का इलाज किया जा रहा है। हादसे में अशोक कुमार (24) पुत्र घनश्याम बागरी, रोहित (16) पुत्र नंदकिशोर बागरी, हेमराज (33) पुत्र बंशीलाल बागरी, सोनू (22) पुत्र मोहनलाल बागरी, दीपक (24) पुत्र जयलाल बागरी, रविशंकर (25) पुत्र प्रेमचंद बागरी, रोहित (22) जगदीश बागरी और हरनावदा शाहजी (बारां) निवासी, रामकृष्ण (20) पुत्र प्रेमचंद, सारौला (खानपुर, झालवाड़) निवासी राहुल पुत्र प्रेमचंद की मौत हो गई। मृतकों में सात लोग अकलेरा के रहने वाले थे। बिश्नोई ने बताया कि अकलेरा कस्बे में विवाह समारोह था। बारात शुक्रवार को मध्य प्रदेश के खिलचीपुर क्षेत्र के डूंगरी गांव गई थी। बारातियों में से शनिवार देर रात 10 लोग मारुति वैन से वापस अकलेरा लौट रहे थे। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 52 पर अकलेरा के खुरी पचोला के पास मारुति वैन और एक ट्रॉले की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। पुलिस ने ट्रोला जब्त कर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

कांग्रेस की तरह भाजपा सरकार ने भी किसानों पर नहीं दिया ध्यान : मायावती

गाजियाबाद (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती रविवार को गाजियाबाद की एक चुनावी जनसभा में भाजपा और कांग्रेस पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव यदि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष हुआ तो भाजपा इस बार केंद्र में वापस नहीं आने वाली है। मायावती ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कोई कार्य नहीं किया है, सिर्फ जुमलेबाजी की है। भाजपा के अच्छे दिन आने के सपनों की असलियत जनता जान चुकी है। राशन से लोगों का भला होने वाला नहीं है, काम देने से ही जीवन स्तर सुधारेगा। मायावती कविनगर स्थित रामलीला मैदान में गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के बसपा प्रत्याशी नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रही थीं। मायावती ने कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्व में सत्ता में रही कांग्रेस की तरह ही किसानों पर ध्यान नहीं दिया। भाजपा की जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी सोच और नीतियां किसानों का उत्थान नहीं कर पाई हैं। गरीब, आदिवासी, दलित, मुस्लिम और समाज के अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के स्तर को सुधारने और उनके कल्याण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं लेकिन दुख की बात है कि भाजपा व अन्य दल जो अपने आप को क्षत्रियों का हिमायती होने का दावा करते हैं इस बार लोकसभा चुनाव में खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में क्षत्रिय समाज के लोगों को टिकट नहीं दिया। मायावती ने कहा कि बसपा ने टिकट बंटवारे में भी उन्हें उचित भागीदारी दी है। कई टिकट क्षत्रीय समाज को दिए हैं, गाजियाबाद इसका जीता जागता उदाहरण है। यहां समाज के नंदकिशोर पुंडीर को टिकट दिया गया है। पंजाबी समाज से जितेंद्र कालरा को लखीमपुर खीरी से टिकट दिया है। गुर्जर समाज से बागपत में टिकट दिया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा समाज के सभी वर्गों की उपेक्षा कर रही है। आरक्षित श्रेणी के सरकारी नौकरियों में खाली पड़े पदों पर सरकार 10 साल बाद भी पर्याप्त संख्या में भर्ती नहीं कर पाई है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट से पता चला है कि दलित और आदिवासी समाज की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि विरोधी पार्टियां किस्म-किस्म के हथकंडे अपना रही हैं। हवाई घोषणा पत्रों के प्रलोभन में नहीं आना है। बसपा की चार सरकारों के काम की अन्य पार्टियां नकल कर रही हैं। केंद्र में सत्ता में आने पर उत्तर प्रदेश में रही बसपा सरकारों की तरह ठोस काम किया जाएगा। धर्म के आधार पर राजनीति कर रही पार्टियों को जनता इस बार सबक सिखाएगी। कथनी और करनी में अंतर रखने वाली सरकार को केंद्र में आने से रोकना है।

यूपी-बिहार और झारखंड से 14 तस्कर गिरफ्तार, 165 लीटर शराब जब्त

देवरिया (हिंस)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जनपद में शराब के अवैध कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए जनपद की पुलिस अभियान चला रही है। इसी के तहत यूपी, बिहार और झारखंड राज्य से 14 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। इनके पास से 165 लीटर शराब जब्त की गई है। गौरीबाजार पुलिस ने ग्राम खैरटिया निवासी श्यामदेव उर्फ विराट यादव को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। बघौचघाट पुलिस ने बिहार के चैनपुर निवासी सुदर्शन प्रजापति, अच्छे लाल यादव को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 19-19 लीटर शराब बरामद की है। इसी तरह झारखंड राज्य का रहने वाला सुकून उरांव के पास से तरकुलवा पुलिस ने 30 लीटर कच्ची शराब बरामद की है। बरियारपुर पुलिस ने झारखंड निवासी वोधना उरांव, बांसदेव उरांव, सोनू महली, को गिरफ्तार कर किया है। इन लोगों के पास से 34 लीटर कच्ची शराब मिली है। वहीं, मदनपुर पुलिस ने देवरिया के ब्रजेश राजभर, उमेश राजभर, राजकुमार को शराब के अवैध करोबार से जुड़े होने पर गिरफ्तार किया है।

धर्म की राजनीति नहीं करती कांग्रेस : ताराचंद मीणा

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी उदयपुर के पूर्व कलेक्टर ताराचंद मीणा ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस को राम की पुजारी और भाजपा को राम का व्यापारी कहा है। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने के संबंध में अपने बयान में आगे जोड़ा है कि हम तो बचपन से ही राम-राम कहते आए हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी रहते हुए कांग्रेस के एजेंट के रूप में कार्य करने के आरोपों को स्वीकार करते हुए स्पष्ट कहा है कि वे बचपन से ही कांग्रेस विचारधारा के रहे हैं। कांग्रेस धर्म की राजनीति नहीं करती है। हालांकि उन्होंने भारत आदिवासी पाटी के संबंध में अपनी राय संगठन से जुदा रखी है। भारत आदिवासी पार्टी को उन्होंने युवाओं को गुमराह करने वाली पार्टी बताया हैए जबकि इसी पार्टी को कांग्रेस ने बांसवाड़ा लोकसभा सीट पर समर्थन दे रखा है। कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा रविवार को प्रेस से मुखातिब थे। यहां उदयपुर शहर के आरटीडीसी होटल में हुई पत्रकार वार्ता में उन्होंने उदयपुर

के कलेक्टर रहने के दौरान आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों को गिनाते हुए कहा कि उनका फोकस युवाओं को रोजगार, उच्च शिक्षा, उदयपुर से प्रशासनिक सेवाओं में भर्ती, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा, उदयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को ठीक करना, खेल सुविधाओं का विकास, एयरपोर्ट को जल्द से जल्द अंतर्राष्ट्रीय स्तर का दर्जा दिलाना और ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण करने पर रहेगा ताकि गांवों से शहरों की ओर पलायन रुक सके। बाहरी प्रत्याशी होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वे किसी का टिकट काटकर नहीं आए हैं। यहां के स्थानीय कांग्रेस प्रतिनिधित्व ने ही उनकी अनुशंसा की है। विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी गौरव वल्लभ के पार्टी छोड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी के भी आने या जाने से संगठन को कोई फर्क नहीं पड़ता है। कांग्रेस संगठन की विचारधारा समभाव की है। उनके जिला कलेक्टर कार्यकाल के दौरान उदयपुर के सबसे पीड़ादायी कन्हैया हत्याकांड पर उन्होंने कहा कि वे उदयपुर के संपूर्ण समाज का धन्यवाद करते हैं कि इस हत्याकांड के बाद कोई नकारात्मक घटना नहीं हुई, वर्ना उदयपुर दस साल पीछे चला जाता।

भागलपुर में मुख्यमंत्री का होगा रोड शो

भागलपुर (हिंस)। लोकसभा चुनाव को लेकर भागलपुर में चुनावी तापमान काफी बढ़ गया है। चुनाव प्रचार चरम पर है। इसी कड़ी में भागलपुर से एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल के लिए मुख्यमंत्री नीतिश कुमार रोड शो करेंगे। एनडीए के घटक दल कार्यकर्ता अजय मंडल को चुनाव जीतने के लिए एड़ी चोटी किए हुए हैं। यह जानकारी रविवार को बिहार के शिक्षा मंत्री सह भागलपुर प्रभारी ने दिया। उन्होंने कहा कि हम लोग भारी बहुमत से जीत रहे हैं। 19 अप्रैल के चुनाव में भी चारों सीट हमारे खाते में है। दूसरे चरण का चुनाव भी हम लोग के ही खाते में रहेगा। जनता हम लोगों के पक्ष में है। हम लोग देश में 400 के पार रहेंगे और बिहार में 40 सीटों पर चुनाव जीतेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन का दावा, एनडीए के मतदाता कर रहे हैं मतदान

अररिया (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बिहार के सभी सीट पर एनडीए के जीत का दावा किया है। मोदी और विकास के नाम पर एनडीए के वोटर इस बार के लोकसभा चुनाव में वोट करने के लिए मतदान केंद्र पर जा रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने रविवार को अररिया में जिला भाजपा कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए ये बाते कही। उन्होंने पहले फेज में हुए चारों सीट पर जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि भले ही बिहार में वोट का पोलिंग काम हुआ लेकिन एनडीए के मतदाता उत्साह के साथ मतदान की प्रक्रिया में भाग लिए हैं। उन्होंने कहा कि इंडी एलायंस के मतदाता वोट देने के लिए में निकल रहे हैं। कारण उनको पता चल गया

है कि इस बार इंडी एलायंस का पत्ता साफ है और चालीसों सीट बिहार में और देश में 400 से अधिक सीट एनडीए ला रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी दुष्प्रचार में लगे हैं कि संविधान खतरे में है लेकिन संविधान की रक्षा और संविधान के वसूलों पर भाजपा चलती है, जिसे मतदाता भी अब समझने लगे हैं। उन्होंने कहा कि अब जाति धर्म के नाम पर नहीं, बल्कि काम और विकास के नाम पर वोट करती है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास को लेकर काम की है। उन्होंने कहा कि अररिया में सड़क, रेल, पुल पुलिया के क्षेत्र में प्रदीप कुमार सिंह ने अमूलचूल काम किया है। यही कारण है कि केंद्रीय नेतृत्व ने उस पर विश्वास जताते हुए फिर से उन्हें प्रत्याशी बनाया है और काम के बदौलत रिकार्ड मतों से जीत दर्ज करेंगे। भारत का संविधान बदलकर हिंदू राष्ट्र निर्माण की बात को दुष्प्रचार और मिथ्यापूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने कहा था कि भारत सेक्युलर था, सेक्युलर है और सेक्युलर रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हरेक वर्ग और जाति का विकास हुआ है। इसलिए सभी एकजुट होकर प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को फिर से बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

मुस्लिम समाज की महिलाओं को कमान सौपेंगी भाजपा

प्रयागराज (हिंस)। लोकसभा चुनाव के मैदान में हर वर्ग को साधने की रणनीति में जुटी भाजपा अल्पसंख्यक समुदाय को पार्टी में अहम स्थान देने की रूपरेखा तैयार कर चुकी है। रविवार को सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारियों की बैठक में चुनाव को लेकर कई बिंदुओं पर चिंतन मंथन हुआ। मीडिया प्रभारी विवेक मिश्र ने बताया कि बैठक के दौरान तय किया गया कि अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल स्तर पर जल्द से जल्द अपनी टीम का विस्तार करेगा और खासकर मुस्लिम समाज की महिलाओं को मंडल स्तर संगठनात्मक दायित्व और टीम में शामिल करने का विशेष प्रयास किया जायेगा। बैठक में महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि मोदी सरकार ने जो सम्मान अल्पसंख्यक समुदाय को दिलाया है, वह आज तक किसी सरकार में सम्भव नहीं हुआ था। बिना किसी भेदभाव के केंद्र व प्रदेश सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों को मिला है। विपक्षी पार्टियां मुस्लिम समाज को वोटबैंक की मशीन समझती आई हैं और हर बार चुनाव में कोरे वादों के मंच से इन्हें ठगा गया है। भाजपा ने वादे नहीं अपितु संकल्प लिया, सबका साथ सबका विकास का और उसे पूरा भी किया। आज मुस्लिम समाज के 51 होनहारों का चयन आईएएस के लिए हुआ है। जबकि पिछली सरकारों में यह संख्या गिनी चुनी होती थी। इसका सीधा मतलब है कि भाजपा ने अल्पसंख्यकों का मान-सम्मान बढ़ाया है। अल्पसंख्यक मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नवाब खान ने कहा कि मंडल व विधानसभा स्तर पर मोर्चा को मजबूत बनाने के काम पर मोर्चा कार्यकर्ता पदाधिकारी पूरे जी जान से लग जाएं। मंडल स्तर पर मुस्लिम समाज की कम से कम पांच महिलाओं को अवश्य शामिल करें और उन्हें संगठनात्मक दायित्व व टीम में शामिल करें।

उमर ने पीडीपी पर इंडिया ब्लॉक के खिलाफ चुनाव लड़कर भाजपा को फायदा पहुंचाने का लगाया आरोप

अनंतनाग (हिंस)। नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने रविवार को महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी पर जम्मू-कश्मीर में इंडिया ब्लॉक के खिलाफ चुनाव लड़कर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद पीडीपी और एनसी इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए थे लेकिन सीट बंटवारे के समझौते पर पहुंचने में विफल रहे। उमर अब्दुल्ला ने महबूबा मुफ्ती के पैतृक स्थान अनंतनाग जिले के बिजबिहाड़ा में एक चुनावी रैली में कहा कि उन्होंने अनंतनाग-राजौरी सीट पाने के एकमात्र उद्देश्य से इंडिया ब्लॉक के साथ समझौता किया था। इंडिया गठबंधन भाजपा से लड़ रहा है लेकिन जो लोग इस मंच पर नहीं हैं वे भाजपा को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन बनाने का उद्देश्य सांप्रदायिक ताकतों विशेषकर भाजपा का मुकाबला करना है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर में भी हम इसी उद्देश्य के साथ इंडिया ब्लॉक में शामिल हुए। इसका उद्देश्य सीटें या अपना लाभ तलाशना नहीं है। हम जम्मू-कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के हितों को देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से इस लोकसभा क्षेत्र में हमारा मुकाबला इंडिया ब्लॉक के एक अन्य सदस्य के साथ है। अब हम पर स्वार्थी होने का आरोप लगाया जा रहा है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती आए दिन अपने भाषण में कहती हैं कि नेकां स्वार्थवश काम कर रही है। एक मिनट के लिए मान लेते हैं कि हम स्वार्थी हैं। क्या कांग्रेस भी स्वार्थी है? उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर नेशनल कांफ्रेंस स्वार्थी होती तो उसने कारगिल में एक उम्मीदवार खड़ा किया होता, जहां उसके पास लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद में बहुमत है। उन्होंने कहा कि हमारी नौकरियां खतरे में हैं, हमारी पहचान खतरे में है। अगर हमें यह सब बचाना है तो यहां से केवल इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार को जिताना चाहिए।

आतंकियों का सहयोगी था स्कूल का हेडमास्टर, गिरफ्तार

पुंछ (हिंस)। पेशे से हेडमास्टर एक ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) को रविवार को पुंछ जिले के हरि बुड्ढा इलाके में पिस्तौल और दो चीनी ग्रेनेड के साथ गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि सेना की 39 आरआर और रोमियो फोर्स के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस और एसओजी ने पुंछ के हरि बुड्ढा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था, जिसमें स्कूल में हेडमास्टर उमर-उद-दीन को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार वह आतंकवादियों का सहयोग ओवर ग्राउंड वर्कर्स के रूप में करता था। उसके घर की तलाशी में पाकिस्तान निर्मित एक पिस्तौल और दो चीनी ग्रेनेड बरामद हुए हैं। अधिकारियों को बरामद हथियार और गोला-बारूद का इस्तेमाल पुंछ क्षेत्र में आगामी चुनाव में गड़बड़ी करने के इरादे से इकट्ठा किए जाने का संदेह है। तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

महावीर जयंती पर जैन धर्मावलंबियों ने नगर में निकाली शोभायात्रा

नवादा (हिंस)। अहिंसा एवं शांति के विश्व उद्घोषक जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2623वां जन्म कल्याणक महोत्सव स्थानीय जैन धर्मावलंबियों द्वारा श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नवादा नगर में रविवार को सुबह में श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी निकाली। जिला मुख्यालय स्थित दिगंबर जैन मंदिर एवं भगवान महावीर के प्रथम शिष्य श्री गौतम गणधर स्वामी की निर्वाण स्थली श्री गोणावां जी दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र पर तीर्थंकर महावीर का पूरे विधि-विधान के साथ अभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना की गई। दिगंबर जैन मंदिर के शिखर पर जैन ध्वजारोहण हुआ। दोपहर में स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर से नवादा नगर के भ्रमणार्थ भगवान महावीर की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण के क्रम में शोभयात्रा में शामिल जैन धर्मावलबियों ने आम जनों के बीच नारों एवं भक्तिगीतों के माध्यम से भगवान महावीर के संदेशों को प्रसारित किया। इस दौरान संपूर्ण नगर भगवान महावीर के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। जैन समाज के प्रतिनिधि दीपक जैन ने

बताया कि भगवान महावीर का जन्म चैत्य शुक्ल त्रियोदशी को हुआ था। वे *अहिंसा व जीओ और जीने दो* के सिद्धांत के विश्व उद्घोषक के साथ ही विश्व बंधुत्व की भावना के उत्प्रेरक थे। उन्होंने धर्म को विज्ञान की कसौटी पर कसा। दीपक जैन ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व शांति के लिए तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों को प्रासंगिक बताते हुए उनके आदर्शों को अपने व्यवहारिक जीवन में आत्मसात करने का आमजनों का आह्वान किया।

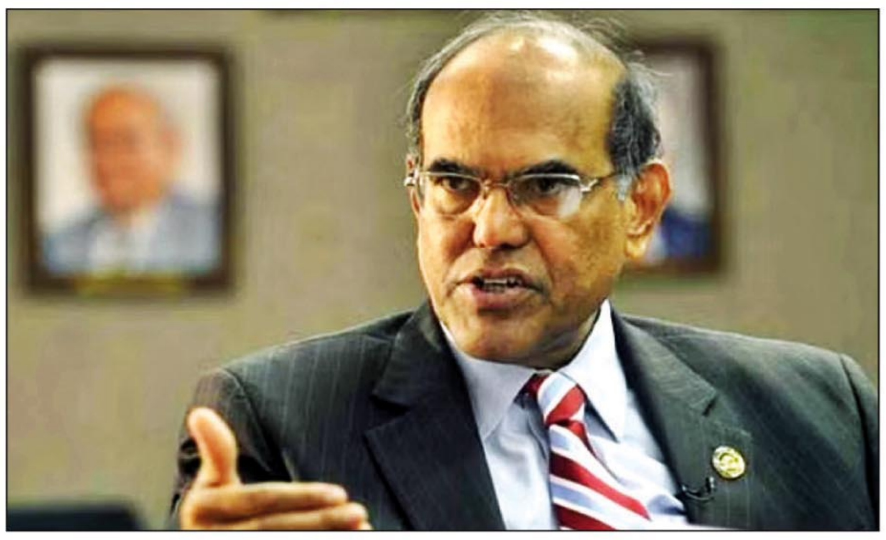

राजनीतिक दलों के मुफ्त उपहारों पर लाना चाहिए श्वेतपत्र, पूर्व आरबीआई गवर्नर की केंद्र को सलाह

हैदराबाद ।
रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने मुफ्त उपहार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को सलाह दी है। उनका कहना है कि सरकार को मुफ्त उपहार देने के मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बनाने के लिए श्वेत पत्र लाना चाहिए। साथ ही इस बारे में गहन बहस होनी चाहिए कि इस संबंध में राजनीतिक दलों पर कैसे अंकुश लगाया जाए।

मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में करें जागरूक – सुब्बाराव ने यह भी सलाह दी कि आम जनता को इन मुफ्त उपहारों की लागत और लाभों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस बारे में लोगों को कैसे शिक्षित करे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह एक राजनीतिक मुद्दा है और इस पर राजनीतिक सहमति होनी चाहिए। इसका नेतृत्व केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को करना होता है। मेरा मानना है कि उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए और इस पर आम सहमति बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इस पर कैसे लगा सकते हैं रोक – आरबीआई के पूर्व गवर्नर का कहना है कि लोगों को मुफ्त उपहारों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि हम इस पर कैसे रोक लगा सकते हैं और हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत जैसे गरीब देश में यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सबसे कमजोर वर्गों को कुछ सुरक्षा तंत्र प्रदान करे और यह भी आत्मनिरीक्षण करे कि वित्तीय बाधाओं को देखते हुए उन्हें कितना दूर तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा, आपको पूछना चाहिए कि क्या यह इस धन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग है या हम कुछ बेहतर कर सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें मुफ्त उपहारों पर अधिक जागरूक होना चाहिए। साथ ही जोरदार बहस करनी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि हम राजनीतिक दलों पर कुछ संयम कैसे लगा सकते हैं।

वित्तीय अनुशासन बनाए रखना जरूरी – एफआरबीएम की सीमा का उल्लंघन करने वाले कुछ राज्यों के बारे में उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्र सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत को सतत विकास और निवेश बढ़ाने के लिए सुधार जारी रखने चाहिए, आईएमएफ अधिकारी ने दी सलाह

नई दिल्ली । आम लोगों के खर्च में इजाफा होने और सार्वजनिक क्षेत्र में निवेश बढ़ाने से भारत सतत विकास की राह आगे बढ़ रहा है। तमाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की यह प्रगति बनी हुई है। आईएमएफ की एशिया पैसिफिक विभाग की निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने यह दावा किया है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 6.8 प्रतिशत विकास दर का आंकड़ा बहुत प्रभावी है और यह आमलोगों के बीच उपभोग और सार्वजनिक संपत्ति में सरकार की ओर से निवेश बढ़ाने के कारण है। श्रीनिवासन ने कहा कि भारत कोरोना महामारी और हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव जैसी चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने में सफल रहा है। भारत की वृद्धि क्षमता को स्वीकार करते हुए उन्होंने जनसांख्यिकीय लाभ का पूरी तरह लाभ उठाने के लिए भारत में सुधारों की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। भारत में हर साल लगभग 1.5 करोड़ लोग श्रम बल में जुड़ सकते हैं आईएमएफ के अधिकारी ने भारत में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, श्रम कानूनों और कारोबारी माहौल में महत्वपूर्ण निवेश पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है ताकि देश अपनी आर्थिक क्षमताओं को साकार कर सके। उन्होंने कहा, मैं अब इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि भारत एक युवाओं की बढ़ती आबादी वाला देश है। भारत में हर साल लगभग 1.5 करोड़ लोग श्रम बल में जुड़ सकते हैं। यदि आप इस मानव संसाधन का लाभ उठाना चाहते हैं, तो आपको बहुत सारे सुधारों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, मैं शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय निवेश पर जोर देना चाहूंगा ताकि बढ़ता श्रम बल अर्थव्यवस्था में उत्पादक योगदान दे सके। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत को अपनी व्यापार व्यवस्था को भी उदार बनाने की जरूरत है ताकि पाबंदियां हटाई जा सकें ताकि कंपनियां आपस में प्रतिस्पर्धा कर सकें। आपको एफडीआई के लिए माहौल को और आकर्षक बनाना होगा। श्रीनिवासन ने चीन के बराबर या उससे भी अधिक वृद्धि दर बनाए रखने के लिए भारत में सुधारों के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने चीन को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, चीन भारत से चार गुना बड़ा है। भारत के लिए मध्यम अवधि की अच्छी संभावनाएं 6.5 प्रतिशत पर बहुत अच्छी हैं। यह उससे बेहतर कर सकता है, लेकिन इसके लिए भारत में वे सुधार होने जरूरी हैं, जिनकी देश को जरूरत है। भारत अगले कई वर्षों में 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की वृद्धि दर हासिल कर सकता है श्रीनिवास ने कहा कि भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल कर सुधारों को शुरू करता है तो अगले कई वर्षों में 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक की जीडीपी हासिल कर सकता है। उन्होंने जीडीपी वृद्धि दर को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने पर चिंता भी जाहिर की।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध मुनाफा 34 प्रतिशत बढ़ा, ब्याज से होने वाली आमदनी में 24.5 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक का एकल शुद्ध मुनाफा मार्च को समाप्त तिमाही में सालाना आधार पर 37.1 प्रतिशत बढ़कर 16,512 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान इसकी शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24.5 प्रतिशत बढ़कर 29,077 करोड़ रुपये हो गई। अपने तिमाही नंबरों की घोषणा करते हुए, एचडीएफसी बैंक ने लिए प्रति शेयर 19.5 का लाभांश भी घोषित किया। निजी क्षेत्र के ऋणदाता का कोर नेट इंटरेस्ट मार्जिन कुल संपत्ति पर 3.44 प्रतिशत और ब्याज़ अर्निंग असेट के आधार पर 3.63 प्रतिशत रहा। एचडीएफसी बैंक ने अपनी फाइलिंग में कहा कि अर्थव्यवस्था में ऋणों का माहौल बेहतर बना हुआ है। बैंक का सभी क्षेत्रों में क्रेडिट प्रदर्शन स्वस्थ बना हुआ है। पिछले तिमाही की तुलना जीएनपीए में 1.24 प्रतिशत का सुधार हुआ है। बैंक की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उसका नेट एनपीए नेट एडवांस का 0.33 प्रतिशत रहा जो एक साल पहले 0.27 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 0.31 प्रतिशत था। बैंका रिटर्न ऑन असेट्स यानी आरओए 0.49 प्रतिशत रहा जो दिसंबर तिमाही में भी इतना ही था। वहीं, एक साल पहले यह 0.53 प्रतिशत था। आंकड़े जारी करने के साथ एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ने एक रुपए के फेस वैल्यु पर 1950 फीसदी यानी 19.5 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। इसके लिए 10 मई को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है।

टॉप-10 कंपनियों में से 6 की वैल्यू 1.40 लाख करोड़ कम हुई टीसीएस की मार्केट-वैल्यू एक हफ्ते में 62,538 करोड़ गिरी

मुंबई।
बीते कारोबारी हफ्ते मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 6 के मार्केट कैप में कंबाइंड रूप से 1,40,478.38 करोड़ (1.40 लाख करोड़) की गिरावट आई है। इस दौरान मार्केट का सबसे बड़ा लूजर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 62,538.64 करोड़ गिरकर 13.85 लाख करोड़ रह गया है। टीसीएस के अलावा इंफोसिस और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप भी 30,488.12 करोड़ और 26,423.74 करोड़ कम हुआ है।

एयरटेल का मार्केट कैप 37,797 करोड़ बढ़ा

वहीं, टॉप-10 में केवल 4 कंपनियों ने पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है। इनमें मार्केट की टॉप गेनर भारती एयरटेल रही है। कंपनी का मार्केट कैप एक हफ्ते में 37,797.09 करोड़ बढ़ा है। अब कंपनी का मार्केट कैप 7.31 लाख करोड़ हो गया है। एयरटेल के साथ-साथ एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलआईसी की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

करीब 600 अंक तेजी के साथ बंद हुआ था बाजार

शेयर बाजार आखिरी कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 599.34 अंक की तेजी के साथ 73,088.33 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 151.15 अंक की तेजी रही थी, ये 22,147 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में करीब 700 अंकों की गिरावट के बाद यह शानदार रिकवरी देखने को मिली।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी रही और सिर्फ 8 में गिरावट देखने को मिली। कारोबार में बैंक, प्राइवेट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

कर्मचारी दफ्तर में आने के बाद काम करें, किसी बात पर बहस नहीं: पिचाई

वाशिंगटन ।
बीते दिनों इजराइल के साथ काम करने के विरोध में गूगल कर्मचारियों के गिरफ्तारी के बाद कंपनी ने 28 लोगों को नौकरी से निकाल दिया। जिसके बाद गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने इस पूरे घटनाक्रम के लेकर अपने कर्मचारियों के लिए एक ब्लॉग पोस्ट लिखा है। इस ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से कर्मचारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि वो दफ्तर में आने के बाद काम करें, ना कि राजनीति के चक्कर में उलझें। बीते कुछ दिनों से गूगल कंपनी में चल रहे उथल-पुथल को लेकर सुंदर पिचाई ने कर्मचारियों के नाम एक संदेश लिखा है। उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में गूगल का कल्चर शुरू से खुली बातचीत को बढ़ावा देने वाला रहा है। यही एक वजह हमें बेहतरीन प्रोडक्ट बनाने और अच्छे आइडियाज पर एक्शन लेने के काबिल बनाता हैं। कंपनी की अपनी कुछ पॉलिसी है जिसका पालन सभी को करना है। उन्होंने लिखा कि यहां पर बिजनेस से संबंधित काम किए जाते है इसलिए यहां पर ना तो व्यवधान पहुंचाने वाले मुद्दों को लेकर आपस में लड़ें ना ही राजनीति पर कोई चर्चा करें। बता दें कि सुंदर पिचाई के इस संदेश से पहले ऐसी ही हिदायत गूगल के हेड ऑफ सिक्योरिटी क्रिस रैको ने भी दी थी। उन्होंने भी कर्मचारियों से कहा था कि उन्हें तार्किक रहना चाहिए क्योंकि उनका हमारा लक्ष्य दुनिया की इंफॉर्मेशन को ऑर्गनाइज करना और भरोसेमंद जानकारी उपलब्ध कराने वाला बने रहना है। दरअसल गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक और अमेजन डॉट कॉम ने इजराइल को एआई और क्लाउड सर्विस देने के लिए एक जॉइंट कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत किया था। इसी प्रोजक्ट का नाम निम्बस है जिसको लेकर कुछ कर्मचारियों ने विरोध किया, जिसके बाद उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया। ऐसे में गूगल के कर्मचारी वहां के वर्क कल्चर को लेकर सवाल कर रहे है जिसके बाद सुंदर पिचाई ने ब्लॉग पोस्ट लिखा।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटैल को बोर्ड से मिली डिमर्जर की मंजूरी

मुंबई ।
आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल कारोबार को अलग करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि उसकी योजना कंपनी के अलग होने के 12 महीनों के भीतर 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की है।

बयान के अनुसार एबीएफआरएल के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के अलग होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

विभाजित होने की प्रक्रिया पूरी होने पर एबीएलबीएल अलग से सूचीबद्ध होगी। एबीएफआरएल ने कहा कि इस प्रक्रिया को एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा और इसके पूरा होने पर एबीएफआरएल के सभी शेयरधारकों के पास दोनों कंपनियों में समान शेयरधारिता होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि प्रक्रिया के पूरा होने के 12 महीनों के भीतर एबीएफआरएल ने अपने बहीखाते को मजबूत करने और शेष इकाइयों की वृद्धि को जरूरी कोष उपलब्ध कराने के लिए 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना बनाई है।

मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय में चार फास्ट फैशन ब्रांड लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलन सोली और पीटर इंग्लैंड के साथ-साथ अमेरिकन ईगल और फॉरएवर 21 जैसे कैजुअल वियर ब्रांड शामिल हैं। इसके पास स्पोर्ट्सवियर ब्रांड रीबॉक और वैन ह्यूसेन के तहत इनरवियर व्यवसाय के लिए एक ब्रांड लाइसेंस भी है, जिसे एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विभाजित किया जाएगा।

बच्चों का सामान बनाने वाली इस कंपनी पर लगा करोड़ों का जुर्माना, कैंसर होने से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली ।
अदालत ने जे एंड जे और केन्व्यू पर 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। एक महिला के मुकदमा दायर करने के बाद चली लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि कंपनी के बेचे गए टेल्कम बेबी पाउडर में एस्बेस्टर था। जो कि महिला के कैंसर और मौत का कारण बना था।

जॉनसन एंड जॉनसन और केन्व्यू कंपनी जो बच्चों से जुड़े प्रोडक्ट बनाने के लिए चर्चित है। अमूमन हर किसी के घर में जे एंड जे कंपनी के प्रोडक्ट मिल देखने मिलेंगे। लेकिन एक महिला ने अदालत में केस दायर किया है कि इस प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से उनके परिवार के सदस्य को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी हुई, जिससे उनकी मौत हो गई थी। कंपनी के बेचे गए टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं एस्बेस्टस जो कि मेसोथेलियोमा के पैदा होने का कारण है।

परिवार ने आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था कि थेरेसा गार्सिया की मौत का जिम्मेदार दोनों कंपनियों को ठहराया था। गार्सिया की बेटी स्टेफ़नी साल्सेडो ने अपने परिवार की ओर से मामला दायर किया। परिवारजनों का मानना है कि 2020 में महिला की मौत कैंसर के कारण हुई। लेकिन कैंसर एस्बेस्टस के कारण हुआ। परिवारजन का आरोप था कि कंपनी ने यह जानकर भी टेल्कम पाउडर बेच दिया, जब उनको पता था कि टेल्कम पाउडर में एस्बेस्टस था। वहीं जे एंड जे का कहना है कि उसके टैल्क-आधारित उत्पादों से कैंसर नहीं होता है।

मामले की सुनवाई शुक्रवार देर रात शिकागो में हुई थी। इसमें ज्यूरी सदस्यों ने कंपनी को 45 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया, जो कि पीडिता के परिवार को दिया जाना है।

परिवार की वकील जेसिका डीन ने कहा कि परिवार आभारी है कि जूरी सदस्यों ने जे एंड जे और केनव्यू द्वारा दिए गए धोखे को देखा। और माना कि टेल्कम पाउडर कैंसर का कारण बन सकता है।

कंपनियों को पता था कि टेल्कम में एस्बेस्टस की अशुद्धियाँ हैं उसके बाद भी उस बेबी पाउडर को जे एंड जे की बोतलों में डाला गया था। वहीं परिवार ने दावा किया था कि महिला को 2016 में डिम्बग्रंथि कैंसर एस्बेस्टस से दूषित बेबी पाउडर के उपयोग के कारण हुआ था।

रुपया ही नहीं अन्य करेंसी भी... वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया रुपये की कमजोरी का कारण

नई दिल्ली ।
डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। गुजरात के अहमदाबाद में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था और डॉलर की स्थिति मजबूत होती है, तो उसके मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव आता है। वित्त मंत्री ने कहा, इसके विपरीत, येन और यूरो के मुकाबले रुपया; हमारी आर्थिक स्थिति, विदेशी मुद्रा भंडार, मुद्रास्फीति, और आर्थिक मजबूती को देखते हुए स्थिर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले, न सिर्फ रुपया बल्कि अन्य मुद्राओं में उतार-चढ़ाव और अधिक है। वैश्विक परिवेश में अनिश्चितता बढ़ रही है। ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया में चुनौतीपूर्ण हालात बने हैं। यही वह क्षेत्र है जहां से सिर्फ हमारी ही नहीं पूरी दुनिया का क्रूड ऑयल निकलता है, इससे ग्लोबल इकोनॉमी में उतार-चढ़ाव बढ़ा है।

भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने की हो रही कोशिश अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की ओर से अपनी भारत यात्रा स्थगित करने से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र ने भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए नीतियां तैयार की हैं और इसका मकसद न केवल घरेलू बाजार बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करना है। उन्होंने कहा, निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां बनाई गई हैं। हम चाहते हैं कि विनिर्माता और निवेशक यहां आएं और न केवल भारत के लिए नहीं बल्कि निर्यात के लिए भी उत्पादन करें। हम नीतियों के जरिये विनिर्माणकर्ताओं और निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश करेंगे। टेस्ला के सीईओ मस्क ने कहा कि कंपनी की भारी जिम्मेदारियों के कारण उनकी भारत यात्रा में देरी हो रही है। वित्त मंत्री ने कहा, जब बड़ी कंपनियां भारत आने में दिलचस्पी दिखाएंगी तो हम उनके लिए यहां आकर निवेश करना आकर्षक बनाने की हर संभव कोशिश करेंगे। उस प्रक्रिया में, यदि चर्चा करने के लिए कुछ है, तो हम निश्चित रूप से चर्चा करेंगे। लेकिन हमने जो कुछ किया है, उसे नीतियों के तहत से किया है। उन्होंने कहा कि जब चीन प्लस वन कई उद्योग विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बना तो केंद्र सरकार के दृष्टिकोण से मदद मिली। उन्होंने कहा कि नीतियों को इस तरह से तैयार किया गया जिससे भारत को विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के लिए एक आकर्षक स्थान बनाया जा सके। मोदी सरकार के दौरान एक महीने को छोड़कर कभी महंगाई ने टॉलरेंस बैंड के पार नहीं गई महंगाई पर वित्त मंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौरान एक महीने को छोड़कर कभी भी महंगाई ने टॉलरेंस की बैंड की ऊपरी सीमा को पार नहीं किया जबकि उससे पहले (2014 से पहले) अर्थव्यवस्था बुरी हालत में थी और महंगाई दहाई अंक में थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, उस समय (2014 से पहले) किसी को देश से कोई उम्मीद नहीं थी। बहुत कठिन परिश्रम के बाद, हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे हैं और विश्वास के साथ कह रहे हैं कि हम अगले दो से ढाई साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। देश में रोजगार के मुद्दे पर केंद्रीय वित्त मंत्री ने कही यह बात रोजगार के मुद्दे पर सीतारमण ने कहा कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों क्षेत्रों से सटीक आंकड़ों का अभाव है लेकिन केंद्र की पहल से लाखों नौकरियां सुनिश्चित हुई हैं। उन्होंने कहा, डेटा अपर्याप्त है। मैं इस पर गर्व नहीं कह रही हूं बल्कि इसकी कमजोरी को स्वीकार करते हुए यह कह रही हूं। रोजगार के बारे में मैं इतना ही कह सकती हूं कि लोगों और स्टार्टअप्स को अलग-अलग योजनाओं के जरिए जो पैसा (करोड़ों में) दिया गया है... लोगों को उससे मदद मिली है। अक्टूबर 2022 से नवंबर 2023 के बीच रोजगार मेलों के जरिए मोदी सरकार ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी है। बड़ी कंपनियों को माल या सेवाएं प्राप्त करने के 45 दिनों के भीतर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भुगतान करने के नियम के बारे में पूछे जाने पर, सीतारमण ने कहा कि यह कानून 2007-08 से अस्तित्व में है और नया नहीं है। इससे पहले उन्होंने विकसित भारत-2047 विषय पर गुजरात के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) के तहत कुल पूंजी का 28 प्रतिशत इस राज्य में आया है, राज्य ने पिछले 10-12 वर्षों में उल्लेखनीय सतर्कता दिखाई है। भारत के लिए सेमीकंडक्टर विनिर्माण गुजरात में पहले स्थान पर आता है, जिसके पास विकसित भारत 2047 के लिए विनिर्माण की सरकारी नीति और पारिस्थितिकी तंत्र तैयार है। गांधीनगर के गिफ्ट सिटी स्थित आईएफएससी गुजरात में सेवाओं के विकास के लिए एक बड़ा प्रवेश द्वार है। उन्होंने यह भी कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई आकर्षित करने में भी गुजरात तीसरे स्थान पर है।

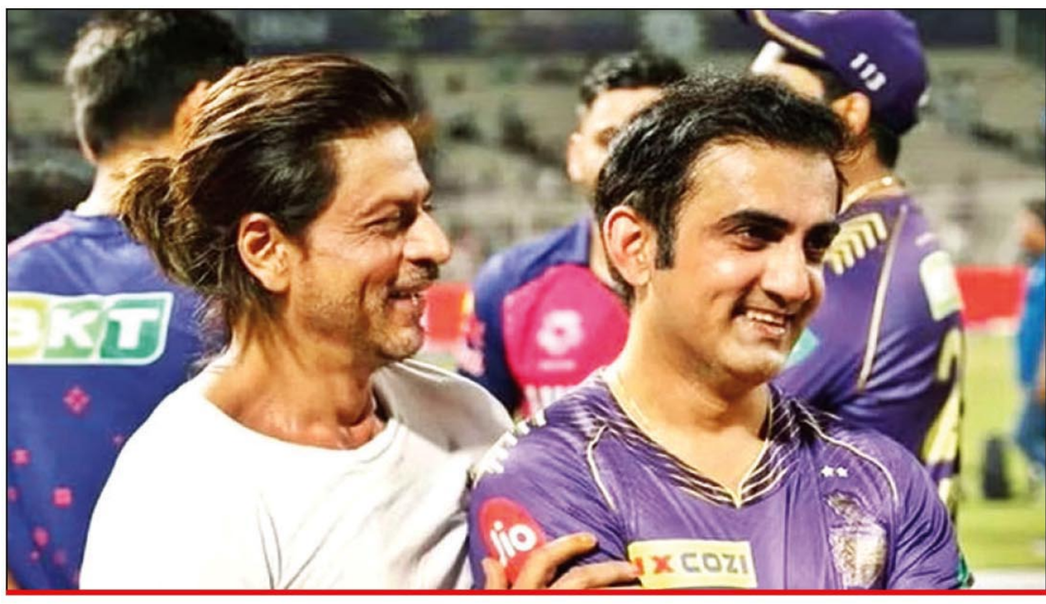

किंग खान के मुरीद हुए गंभीर, शाहरुख की खूबी का बखान करते हुए दिया सर्वश्रेष्ठ टीम मालिक का टैग

मुम्बई ।
भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने कोलकाता नाइटराइडर्स के सह-मालिक शाहरुख खान और एक प्रमुख खिलाड़ी की जमकर तारीफ की है। गौतम गंभीर ने हाल ही में, आईपीएल के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करने को सर्वश्रेष्ठ समय बताया और टीम के मालिक की सराहना की है। फिलहाल, गौतम कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर हैं, पहले वह इस टीम के कप्तान थे।

हाल ही में, गौतम ने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की और कहा, मैंने जिनके साथ काम किया है उनमें वह सबसे अच्छे मालिक हैं और इसका कारण यह नहीं है कि मैं अभी हूं, या पहले केकेआर का हिस्सा था । मुझे नहीं लगता कि मेरी कप्तानी के सात वर्षों में सात मिनट तक क्रिकेट संबंधी बातचीत की हो। उस समय भी, हमने यह बातचीत की थी क्योंकि मैं खुद को छोड़ने की कगार पर था।

शाहरुख के मुरीद हुए गौतम गंभीर

क्रिकेटर ने शाहरुख की सलाह का खुलासा करते हुए कहा, उन्होंने मुझसे केवल एक ही बात कही थी कि, जब तक आप यहां हैं। आप ही रहेंगे। जब तक आप यहां रहना चाहते हैं, तब तक आप हम आपको नहीं छोड़ेंगे। मैंने सोचा कि एक लीडर के रूप में, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझमें प्लेइंग 11 का हिस्सा बनने का साहस होना चाहिए। मैंने शाहरुख को यह बताया। पिछले सात मैचों में मेरी उनके साथ यही एकमात्र बातचीत रही है। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम खुद को नहीं गिराओगे, चाहे कुछ भी हो जाए। तुम मैच खेल खेलोगे। और फिर चीजें बदल गईं।

किंग खान की तारीफ में कही यह बात गंभीर ने आगे कहा, तो, एक मालिक के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति की कल्पना करें, जो खुद इतना बड़ा, महान उपलब्धि हासिल करने वाला रहा हो और क्रिकेट के बारे में बात भी नहीं करता हो। आपसे आपके निर्णय लेने के बारे में सवाल न करता हो। उसे आपके निर्णय लेने पर भरोसा था। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैंने उन सात सालों में सही फैसले लिए, लेकिन उन्होंने कभी सवाल नहीं उठाया क्योंकि यही वह रिश्ता है, जिससे मुझ पर उन्हें भरोसा था।

न्यूज ब्रीफ

टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा शीघ्र करेगा बीसीसीआई, 27 या 28 अप्रैल को कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक करेंगे चयनकर्ता

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए शीघ्र ही टीम की घोषणा करेगा। बीसीसीआई को टी20 विश्वकप के लिए आईसीसी को खिलाड़ियों की सूची एक मई तक देनी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इसके लिए चयनकर्ता 27 या 28 अप्रैल को दिल्ली में कप्तान रोहित शर्मा के साथ बैठक कर सकते हैं बीसीसीआई प्रमुख अजीत अगरकर भी विदेश से लौट गये हैं। टीम चयन को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस रिपोर्ट के अनुसार टीम में 10 खिलाड़ियों का चयन पक्का है, वहीं कुछ खिलाड़ियों पर फैसला उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। टीम में शामिल दस खिलाड़ियों में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या शामिल नहीं हैं। पंड्या को गेंदबाजी किये जाने की स्थिति में ही शामिल किया जाएगा। आईपीएल सत्र में अब तक पंड्या अधिक गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं। टीम इस प्रकार होने की संभावना है। रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव आदि, वहीं पंड्या की टी20 विश्व कप में जगह आईपीएल में उनके प्रदर्शन पर आधारित रहेगी। चयनकर्ता हार्दिक के प्रदर्शन पर नजरें रखें हुए हैं। आईपीएल के इस सत्र में अभी तक वह विफल रहे हैं। भारतीय टीम टी20 विश्व कप 2024 में अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी।

सीएसके की दिल की धड़कन हैं धोनी: फ्लेमिंग

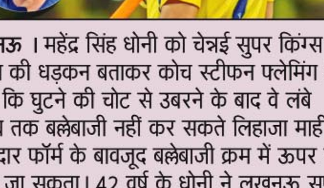

लखनऊ । महेंद्र सिंह धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स के 'दिल की धड़कन बताकर कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि घुटने की चोट से उबरने के बाद वे लंबे समय तक बल्लेबाजी नहीं कर सकते लिहाजा माही को शानदार फॉर्म के बावजूद बल्लेबाजी क्रम में ऊपर नहीं भेजा जा सकता। 42 वर्ष के धोनी ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ नौ गेंद में 28 रन बनाए लेकिन उनकी टीम आठ विकेट से हार गई। फ्लेमिंग ने कहा , यह प्रेरणास्पद है ना। अभ्यास के दौरान भी वे बहुत उम्दा बल्लेबाजी कर रहे हैं। टीम इससे हैरान नहीं है क्योंकि सत्र से पहले तैयारी में भी वह शानदार खेल रहे थे। उन्होंने कहा, उनके घुटने में दर्द है और वह इससे उबरने की प्रक्रिया में कुछ ही गेंद खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, हर कोई धोनी को लंबे समय तक बल्लेबाजी करते देखना चाहता है, लेकिन टीम प्रबंधन धोनी को पूरे टूर्नामेंट में खेलते देखना चाहता हैं। इसकारण दो तीन ओवर खेलना ही ठीक है। वह हर समय अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं और उसे देखने में मजा आ रहा है। लंबे समय से चेन्नई के कोच रहे फ्लेमिंग ने कहा कि पांच बार टीम को खिताब दिलाने वाले धोनी टीम के दिल की धड़कन हैं और हर स्टेडियम पर दर्शकों से उन्हें मिल रहे अपार प्रेम के बीच उनकी मौजूदगी के हर पल का टीम लुत्फ उठा रही है। उन्होंने कहा ,''जब वह मैदान पर आते हैं, तब क्या जबर्दस्त माहौल होता है।

टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने पर दिनेश कार्तिक बोले: मैं इसके लिए 100 प्रतिशत तैयार; आईपीएल में 205.45 स्ट्राइक रेट से रन बना रहे

मुम्बई । विकेटकीपर कार्तिक ने कहा, मेरे जीवन के इस पड़ाव पर, भारत का प्रतिनिधित्व करना सबसे बड़ी खुशी होगी। मैं इसके लिए 100 प्रतिशत तैयार हूं। मैं टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। कार्तिक ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2022 टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। तब से उन्होंने भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेला। इस दौरान वे कमेंट्री करते नजर आए। आईपीएल के इस सीजन में 7 मैचों में दो अर्धशतक लगाए 38 साल के दिनेश कार्तिक आईपीएल के इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने 7 मैचों में 205.45 के स्ट्राइक रेट से 226 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ सेंचुरी शामिल है। वे मौजूदा सीजन में टीम के तीसरे टॉप स्कोरर हैं। टी-20 इंटरनेशनल में दिनेश कार्तिक कार्तिक ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए अब तक 60 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 686 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 142.62 रहा है। टी-20 इंटरनेशनल में उनके नाम एक अर्धशतक है।

भारतीय महिला पहलवानों को मिली बड़ी कामयाबी अंशु मलिक और विनेश फोगाट ने हासिल किया कोटा

बिश्केक ।
भारत के स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट और अंशु मलिक ने बिश्केक में जारी एशियन ओलंपिक क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल कर लिया है।

विनेश की जीत

विनेश ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में महिलाओं के 50 किग्रा सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की लौरा गैनिक्जी को 10-0 से हराकर महिला 50 किग्रा वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल किया। उन्होंने 4: 18 मिनट में लड़ाई जीत ली। अब उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान की अक्तेंगे क्यूनिमजेवा से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की मेंग ह्सुआन हसी को 4-2 से हराया है।

तकनीकी श्रेष्ठता के दम पर जीतीं अंशु मलिक

वहीं, अंशु मलिक ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया। उन्होंने उज्बेकिस्तान की लैलोखोन सोबिरोवा को 11-0 से तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। पूर्व में अंशु ने बिश्केक में अपने दोनों मुकाबले तकनीकी श्रेष्ठता के दम पर जीते थे।

विनेश की दमदार शुरुआत

विनेश ने महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में कोरिया की प्रतिद्वंद्वी मिरान चियोन को एक मिनट 39 सेकेंड तक चले मुकाबले में हराया। उनकी मजबूत पकड़ का विरोधी खिलाड़ी के पास कोई जवाब नहीं था। अगले मुकाबले में विनेश ने कंबोडिया की एसमानांग डिट को महज 67 सेकेंड में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फाइनल में पहुंचने वाले दो पहलवानों को ओलंपिक कोटा मिलेगा। विनेश चयन ट्रायल में जीतने के बाद 50 किग्रा वर्ग में खेल रही हैं। अगर वह चूक भी जाती हैं तो 53 किग्रा वर्ग में दावेदार होंगी जिसमें अंतिम पंघाल ने कोटा हासिल किया है। अंतिम को एक और ट्रायल में उतरने के लिए कहा जा सकता है।

अंशु को सीधे क्वार्टर फाइनल में मिला प्रवेश

विश्व चैंपियनशिप 2021 की रजत पदक विजेता अंशु को क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश मिला जिसमें उन्होंने किर्गिस्तान की कलमीरा बिलिमबेकोवा को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। वहीं, अंडर-23 विश्व चैंपियन रितिका ने 76 किग्रा वर्ग में युंजू हवांग को हराया। पहला दौर उन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीता। इसके बाद मंगोलिया की दावानासान एंख एमार को भी इसी तरह से मात दी। चीन की जुआंग वांग के खिलाफ आखिरी ग्रुप मुकाबले में उन्होंने 8-2 से जीत दर्ज की। मानसी अहलावत (62 किग्रा) भी अंतिम चार में पहुंच गईं। उन्होंने कजाखस्तान की इरिना कुजनेत्सोवा को 6-4 से हराया।

निशा दहिया को मिली हार

भारत की चार महिला पहलवानों ने जहां सेमीफाइनल में जगह पक्की की, जबकि एक अन्य पहलवान निशा दहिया (68 किग्रा) सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने पहले दौर में उत्तर कोरिया की सोल गुम पाक को 8-3 से हराया। लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकीं और किर्गिस्तान की मीरिम जुमानाजारोवा से हार गईं। पेरिस ओलंपिक का आखिरी विश्व क्वालीफायर तुर्किये में नौ मई से खेला जाएगा।

लय बरकरार रखने में विफल रहे अमन

अमन ने 57 किग्रा वर्ग में दबदबे वाला आगाज करते हुए अपने शुरुआती दो प्रतिद्वंद्वियों येरासिल मुख्तारुली और सुंगवॉन किम को तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। वह हालांकि उज्बेकिस्तान के गुलोमजोन अब्दुल्लेव के खिलाफ इस लय को जारी रखने में विफल रहे और 10 अंकों से पिछड़ने के बाद हार गए। भारतीय कुश्ती जगत को अमन से काफी उम्मीदें थी क्योंकि उन्होंने अपने आयु वर्ग में मजबूत माने जाने वाले रवि दाहिया को शिकस्त देकर देश के प्रतिनिधित्व का मौका हासिल किया था।

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के बैट का वजन होता है कम, महिलाओं के बल्ले का वजन रहता है 1 किलो 100 ग्राम

नई दिल्ली ।
क्या आपको मालूम है कि महिला क्रिकेटरों के लिए तैयार होने वाले बल्ले का पुरुषों के मुकाबले वजन कम होता है। पुरुष के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन जहां 1 किलो 200 ग्राम रहता है। वहीं महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं। उनका वजन 1 किलो 100 ग्राम रहता है।

वहीं एक स्पोर्ट्स व्यापारी के अनुसार महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले में वजन के साथ-साथ उसकी हाइट भी कम रहती है। उन्होंने बताया की इन बल्ले की बात की जाए तो यह 33 इंच लम्बाई वाला होता है। वहीं पुरुषों के बल्ले की लंबाई 38 इंच रहती है। एक्सपर्ट के अनुसार भले ही पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बल्ले का वजन 100 ग्राम कम रहता हो। लेकिन इसके रेट में अंतर इसलिए नहीं होता। क्योंकि लकड़ी को पर्याप्त मात्रा में ही उपयोग किया जाता है। महिलाओं के लिए जो बल्ले तैयार किए जाते हैं। उसमें घिसाई सहित अन्य कार्य ज्यादा करने होते हैं। जिससे कि महिलाओं के अनुरूप बल्ले को तैयार किया जा सके। बताते चलें कि पहले की तुलना में अब स्पोर्ट्स बाजार में अभिभावक अपनी बेटियों के लिए बल्ले अधिक खरीदते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं विभिन्न एकेडमी में भी अब बेटियों की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है।

व्यापारी इसमें सबसे ज्यादा अहम योगदान वूमेन आईपीएल का मानते हैं। बता दें कि क्रिकेट के मैदान में महिलाएं लगातार तहलका मचा रही हैं। पुरुषों की तरह ही महिलाएं भी कलाइयों का बेहतर उपयोग करते हुए चौके-छक्के की बरसात करते हुए नजर आती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के लिए तैयार होने वाले बैट में कारीगर को अधिक काम करना पड़ता है। दरअसल, मशीन के जरिए सभी प्रकार के बल्ले एक सामान बनते हैं। लेकिन उसके बाद स्पोर्ट्स कारीगर क्रिकेट नियम के अंतर्गत बैट को निखारने का काम करते हैं।

पाक के रिजवान ने बना डाला रिकॉर्ड, टी20 क्रिकेट में विराट कोहली और बाबर आजम को पछाड़ा

नई दिल्ली।
पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला। मोहम्मद रिजवान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

31 साल के रिजवान ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 34 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 45 रन की मैच विनिंग पारी खेली। पाकिस्तान ने दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से पटखनी देकर पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई।

विराट-बाबर का रिकॉर्ड चकनाचूर

मोहम्मद रिजवान ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की 79वीं पारी में तीन हजार रन का आंकड़ा पार किया। उन्होंने हमवतन बाबर आजम और विराट कोहली को दो पारियों के अंतर से पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड अपने नाम किया। बाबर-विराट दोनों ने 81वीं पारी में तीन हजार रन का आंकड़ा पार किया था।

बता दें कि मोहम्मद रिजवान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 3000 रन का आंकड़ा पार करने वाले आठवें बल्लेबाज बने। हालांकि, विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। भारतीय बैटर ने 117 मैचों में 4037 रन बनाए हैं।

पाकिस्तान की आसान जीत

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 47 गेंदें शेष रहते सात विकेट से मात दी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 18.1 ओवर में 90 रन पर ढेर हो गई। जवाब में पाकिस्तान ने 12.1 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

बलराज पंवार की बड़ी कामयाबी, भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

नई दिल्ली ।
बलराज पंवार ने दक्षिण कोरिया के चुंग्जू में 2024 विश्व एशियाई और ओसनियाई ओलंपिक एवं पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया।

भारतीय सेना के 25 वर्षीय पंवार पिछले साल चीन के हांग्झोउ में अपने पहले एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गये थे। उन्होंने 7: 01.27 मिनट का समय निकालकर 2000 मीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक कोटा प्राप्त किया।

पुरुष एकल स्कल में शीर्ष पांच नौकाचालक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में देश क्वालीफाई नहीं कर सका। भारत ने पिछले तोक्यो ओलंपिक में इस स्पर्धा में हिस्सा लिया था। उज्जवल कुमार और अरविंद सिंह की भारतीय जोड़ी तीसरे स्थान पर रही जबकि इसमें शीर्ष दो जोड़ी कोटा हासिल करती हैं।

भारत इस तरह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में नौकायन में एक ही स्पर्धा में हिस्सा लेगा। अर्जुन लाल और अरविंद सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वे 11वें स्थान पर रहे थे। एशियाई क्वालीफायर भी एशियाई रोइंग कप के साथ ही कराये जा रहे हैं जिसमें भारत ने सलमान खान और नितिन देओल की बदौलत पुरुष डबल स्कल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके एक दिन बाद हरियाणा के करनाल के पंवार ने धीमी शुरूआत के बाद दबदबा बनाया और तीसरे स्थान पर रहने में सफल रहे। कजाखस्तान के व्लादिस्लाव याकोवलेव (6: 59.46) ने स्वर्ण पदक और इंडोनेशिया के मेमो ने दूसरा स्थान हासिल किया।

राष्ट्रीय स्तर पर वापसी के लिए अपनी क्षमताओं पर कभी संदेह नहीं किया- प्रीति दुबे

नई दिल्ली ।
गतिशील फॉरवर्ड प्रीति दुबे को भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 33 संभावित खिलाड़ियों में नामित किया गया था, जो वर्तमान में एसएआई बैंगलोर में प्रशिक्षण ले रही हैं। 1 अप्रैल को शिविर में आने वाले 60 सदस्यीय मूल्यांकन दल को 6 और 7 अप्रैल को आयोजित चयन परीक्षणों के बाद तैयार किया गया था ।33 में से एक नाम जो उभरकर सामने आया वह था--प्रीति दुबे। 25 वर्षीय, जो उत्तर प्रदेश के गोरखपुर की रहने वाली हैं, और 2017 में हॉकी वर्ल्ड लीग सेमीफाइनल में भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपनी आखिरी उपस्थिति दर्ज की, चयनकर्ताओं और कोचों को प्रभावित करने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की। मूल्यांकन शिविर.उनका चयन पुणे में आयोजित 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद हुआ।

अपने शामिल होने के बारे में बोलते हुए, प्रीति ने कहा, राष्ट्रीय सेटअप में वापस आना आश्चर्यजनक लगता है। लेकिन ये सिर्फ पहला कदम है. मेरे सभी प्रयास और कड़ी मेहनत सफल रही। मैं अपने परिवार के सदस्यों और अपने सभी कोचों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, मुझे प्रेरित किया और कठिन समय में मेरे साथ खड़े रहे। मुझे हमेशा अपने आप पर विश्वास था कि सही समय आएगा, और मैंने राष्ट्रीय व्यवस्था में वापस आने की अपनी क्षमताओं और क्षमता पर कभी संदेह नहीं किया।

अपने द्वारा जीते गए संघर्षों को याद करते हुए, प्रीति दुबे ने कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि जो कुछ हुआ, उसने मुझे मानसिक रूप से मजबूत बनाया है। जब 2020 में लॉकडाउन हुआ, तो मुझे बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि हम नेशनल नहीं खेल सके और इसके कारण मुझे सेंटर रेलवे में अपनी नौकरी से आवंटित छुट्टी नहीं मिल सकी। वह एक साल मेरे लिए सबसे कठिन था। मैं आठ घंटे काम करता था और फिर अपने कमरे में वापस आकर अपना खाना खुद बनाता था क्योंकि मैं अपने परिवार के बिना मुंबई में रह रहा था। लेकिन मैं हर दिन रात 8-9 बजे तक अपनी फिटनेस और ट्रेनिंग के लिए समय निकालता था। मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरी फिटनेस का स्तर कभी कम न हो। मेरा अगला लक्ष्य 18 सदस्यीय टीम के लिए जगह बनाना, मेरा आत्मविश्वास हासिल करना और अपनी टीम को अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पदक और प्रशंसा जीतने में मदद करना है। मेरा मुख्य ध्यान अब 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक पर है।प्रीति ने यह भी साझा किया कि कैसे उन्होंने हर दिन खुद को प्रेरित रखा और कैसे उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए खुद को आगे बढ़ाया और भारतीय महिला हॉकी टीम में वापसी की। मेरे पिता मुझे हर दिन फोन करते हैं और कहते हैं कि वापसी करने के लिए मेरे पास सबकुछ है। मेरे सभी प्रशिक्षकों ने हमेशा मुझसे कहा है कि मुझमें क्षमता है और जब इतने सारे लोग मुझ पर भरोसा करते हैं, तो इससे मुझे बेहतर करने के लिए अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है और यह मुझे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने में मदद करती है, उसने कहा। मेरे पास एक डायरी है जिसमें मैं अपने सपनों को चित्रों के रूप में लिखता रहता हूं कि मैं उन्हें कैसे पूरा कर सकता हूं और हर दिन अपने प्रशिक्षण के लिए मैदान में उतरने से पहले, मैं डायरी को देखता हूं और यह मुझे मेरे संघर्षों की याद दिलाती है।

सलाह

बच्चों को अनुशासन सिखाने के लिए अपनाए ये टिप्स

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अनुशाषित हों। जो अभिभावक बच्चों को अनुशासन के साथ आजादी देते हैं वो ही बच्चे संस्कारी व सभ्य होते हैं। यह बात सच है कि हर अभिभावक चाहता है कि उसका बच्चा संस्कारी बने और इसके लिए वो हर तरह की कोशिश भी करते हैं, पर जब बच्चे इस कोशिश में असफल होते हैं, तो अभिभावक आहत हो जाते हैं, क्योंकि उंगली उनकी परवरिश पर ही उठती है।यहां जानें बच्चों को अनुशासन सिखाने के तरीक़े।

1) इजाज़त लेना: बच्चों को दूसरों की चीज़ें छूने या इस्तेमाल करने से पहले उनकी इजाज़त लेना सिखाएं। स्वयं भी उनकी किसी वस्तु के उपयोग के पहले इजाजत लें।

2) अच्छे कामों की प्रशंसा करें : उनकी छोटी-छोटी अच्छी आदतों, जैसे-लाइट बंद करना या चीज़ों को सही जगह रखना, आदि कामों की प्रशंसा करें। इससे उन्हें अच्छी आदतों को अपनाने में मदद मिलती है।

3) साझा करना : साझा करना ही असल में ख़्याल रखना है , बच्चों को सिखाएं कि कैसे उन्हें किताबें, खाने की सामग्री और अन्य चीज़ें दोस्तों के साथ साझा करना चाहिए ।

4) कमियां निकालने के बजाय विकल्प तलाशें:- ज़्यादातर समय अभिभावक बच्चों को यह बताते हैं कि उन्होंने क्या ग़लत किया, उनको डांट-फटकारकर मना करने से वे मान जाते हैं, लेकिन इस तरह से वे हार मानना सीखते हैं, न कि स्वीकार करना। लेकिन बजाय इसके उन्हें यह बताना चाहिए कि वे कैसे इसे सही कर सकते थे। बच्चों को स्थितियों को ठीक करने के विकल्प देने से उनकी सोच और समझ विकसित होती है।

5) तुलना न करें : हर बच्चा अपने आप में अलग होता है और हर बच्चे की सीखने और आगे बढ़ने की गति अलग- अलग होती है। हो सकता है आपके बच्चे में कोई ऐसा गुण हो, जो उसके बाक़ी साथियों में न हों। अतः दूसरों से अपने बच्चे की तुलना न करें।

6) निर्णय लेने का मौक़ा दें : बच्चों का विकास तभी हो पाता है, जब वे अपने फ़ैसले ख़ुद लेना सीखते हैं। छोटे-छोटे फैसले जैसे वो आज कौन सी ड्रैस पहनेगा, डिनर में क्या खाएगा आदि फ़ैसले लेने दें।

7) बड़ों का सम्मान करना: चाहे बात सहायता करने की हो, बड़ों के बीच न बोलने और बोलते वक़्त अपनी बारी का इंतज़ार करने की हो। शुरू से ही घर के बड़ों के साथ इन नियमों का पालन करने के लिए कहें, ताकि यह उनकी आदत में शामिल हो जाए।

8) लोगों से मिलना जुलना: कई बच्चे अजनबी लोगों से शर्माते हैं और अपनी असहजता को छिपाने के लिए वे आंख मिलाने और अभिभावदन करने से बचते हैं। अपने बच्चों को बड़ों से पेश आना सिखाएं, फिर चाहे वे रिश्तेदार हों, दोस्तों के अभिभावक हों या कोई भी दूसरा व्यक्ति, जिनसे वे मिलते हैं।

9) हार को स्वीकारना सिखाएं : बच्चों को अपनी हार स्वीकारना सिखाएं। उन्हें हार से डराने के बजाय उन्हें डट कर लड़ने और हर तरह की परिस्थिति का सामना करने के तरीके सिखाएं।

10) जबरन कई सारी गतिविधियों का हिस्सा न बनाएं : बच्चों को कुछ समय के लिए फ्री भी रहने दें। किसी भी गतिविधि का हिस्सा बनाने से पहले बच्चों की क्षमता को समझें।

नवजात में मलेरिया चिकित्सा

नवजात शिशु यदि दुनिया में आते ही मलेरिया का शिकार हो जाए तो उसकी देखभाल में जरा सी चूक उसमें उम्रभर के लिए कोई विकार पैदा कर सकती है या फिर उसमें उम्रभर के लिए कमजोरी पैदा कर सकती है। इसीलिए नवजात शिशु की देखभाल में बिलकुल भी लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। खासकर तब जब वह मलेरिया से ग्रसित हो। नवजात में मलेरिया संक्रमण होते ही उसका तुरंत इलाज करवाना चाहिए।

40 के बाद हड्डियां हो जाती हैं कमजोर

40 वर्ष पूरे होने के बाद मसल्स ढीली होने लगती हैं जबकि हडिड्यां कमजोर। इस उम्र में ऑस्टियोपोरेसिस होने का खतरा बढ़ जाता है जिससे हल्की सी चोट से भी हडिड्यां टूटने का डर बना रहता है आपको घबराने की जरूरत नहीं। आज हम आपको कुछ आसान से आसन बताएंगे जो 40 के बाद भी हड्डियों को कमजोर नहीं होने देते।

चक्रासन

सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं और पैरों को घुटने से मोड़ें जिससे एड़ी हिप्स को छुए और पंजे जमीन पर हों। अब गहरी सांस लेते हुए कंधे, कमर और पैर को ऊपर की ओर उठाएं। इस प्रक्रिया के दौरान गहरी सांस लें और छोड़ें। फिर हिप्स से लेकर कंधे तक के भाग को जितना हो सके ऊपर उठाने का प्रयास करें। कुछ क्षण बाद नीचे आ जाएं और सांसे सामान्य कर लें।

वृक्षासन

पेड़ की तरह तनकर खड़े हो जाइए। शरीर का भार अपने पैरों पर डाल दीजिए और दाएं पैर को मोडिये। दाएं पैर के तलवे को घुटनों के ऊपर ले जाकर बाएं पैर से लगाइये। दोनों हथेलियों को प्रार्थना मुद्रा में लाइये। अपने दाएं पैर के तलवे से बाएं पैर को दबाइये और बाएं पैर के तलवे को ज़मीन की ओर दबाइये। सांस लेते हुए अपने हाथों को सिर के ऊपर ले जाइये। सिर को सीधा रखिए और सामने की ओर देखिये। 20 मिनट तक इस स्थिति में रुके रहें।

पद्मासन

जमीन पर बैठ जाएं। दायां पैर मोड़ें और दाएं पैर को बाईं जांघ के ऊपर कूल्हों के पास रखें। ध्यान रहे दाईं एड़ी से पेट के निचले बाएं हिस्से पर दबाव पड़ना चाहिए। बायां पैर मोड़ें तथा बाएं पैर को दाईं जांघ के ऊपर रखें। यहां भी बाईं एड़ी से पेट के निचले दाएं हिस्से पर दबाव पड़ना चाहिए। हाथों को ज्ञानमुद्रा में घुटनों के ऊपर रखें। रीढ़ की हड्डी को बिलकुल सीधी रखें। धीरे-धीरे सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोडे। कम से कम 10 मिनट तक इस मुद्रा में रहें।

भुजंगासन

पहले पेट के बल सीधा लेट जाएं और दोनों हाथों को माथे के नीचे रखें। दोनों पैरों के पंजों को साथ रखें। अब माथे को सामने की ओर उठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समानांतर रखें जिससे शरीर का भार बाजुओं पर पड़े। अब शरीर के ऊपरी हिस्से को बाजुओं के सहारे उठाएं। शरीर को स्ट्रेच करें और लंबी सांस लें। कुछ पल इसी अवस्था में रहने के बाद वापस पेट के बल लेट जाएं।

वास्तुशास्त्र

खुशहाली के लिए लगायें मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है, वही यदि उसके उस पौधे का गलत दिशा में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है। इसलिए हम आपको मनी प्लांट लगाने की दिशा से लेकर रखरखाव तक की सारी जानकारी दे रहे हैं।

मनी प्लांट के लिए दिशा

» मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगायें क्योंकि इस दिशा के देवता गणेश जी है। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं। इसलिए मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना उचित माना गया है।

» मनीप्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इस दिशा में मनी प्लांट रखने पर आपको धनहानि हो सकती हैं।

» कभी भी मनी प्लांट को पूर्व-पश्चिम की दिशा में न लगाएं। इससे आपके दापत्यं जीवन में खटास आती है।

मनी प्लांट के लिए स्थान और देखभाल

» मनी प्लांट की बेलों को जमीन पर नहीं फैलाना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है ।

» मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो।

» मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए।

» यदि मनी प्लांट का पौधा मुरझा गया है तो इसे हटा देना चाहिए। सूखा हुआ मनी प्लांट शुभ नहीं माना जाता है।

सास को जरूर समझनी चाहिए ये 5 बातें

सास और बहू का रिश्ता मजबूत होने में थोड़ा समय लगता है। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना कोई आसान बात नहीं है,कई बार गलतफहमियां भी रिश्तों को खराब कर देती हैं। शादी के बाद इस बात को समझ लेना जरूरी है कि सास और बहू का रिश्ता आने वाली जिंदगी में एक-दूसरे का सहारा बनने वाला है। सास और बहू दोनों को कुछ बातों का ध्यान रखते हुए एक दूसरे को समझने का प्रयास करना चाहिए। अपनी सोच को बदलें और प्यारी सी दुनिया की कल्पना करें।

1. हर कोई नहीं होता परफैक्ट : सास और बहू के बीच नोक-झोंक का सबसे बड़ा कारण साफ-सफाई होता है। सास को भी इस बात को समझना चाहिए कि लड़ाई करने की बजाए कभी-कभी इन बातों को नजरअंदाज भी करे। हो सकता है बहू को बाकी के काम करते समय साफ सफाई के लिए वक्त न मिला हो। दोनों अगर मिल कर काम करें तो शिकायत का मौका ही नहीं मिलेगा।

2. रिश्ते में नोक-झोंक भी जरूरी : खाने में ज्यादा या कम नमक हो या फिर खाना बनाने में जरा सी देरी हो जाए तो बहू को सास की बात का गुस्सा नहीं करना चाहिए। इस तरह की छोटी-छोटी नोक-झोंक रिश्ते को मजबूत बना देती है।

3. बहू के भावनाओं को भी समझें : अपने घर को छोड़कर ससुराल में रहना कोई आसान काम नहीं है। सास को बहू की इस भावनाओं को समझना चाहिए। सास भी किसी समय बहू थी और शादी के बाद उसको भी इस तरह की परेशानियों को सामना करना पड़ा होगा। कभी-कभी बहू ज्यादा काम या फिर तबीयत ठीक होने के कारण देर से उठे तो सास को गुस्सा नहीं होना चाहिए।

4. बेटे-बहू को लेकर न करें गुस्सा : कुछ लोग बेटे-बहू के रिश्ते को लेकर इस चिंता में रहते हैं कि शादी के बाद उनका बेटा मां के बारे में नहीं सोचेगा। सास को यह बात समझनी चाहिए कि मां की जगह कोई नहीं ले सकता। बेटा हमेशा अपनी मां से पहले की तरह ही प्यार करता है।

5. बहू भी परिवार का हिस्सा : सास और बहू दोनों को इस बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि वे दोनों अब एक ही परिवार का हिस्सा है। बहू से बातें छिपाना या फिर उसे निर्णय लेने का हक न देना अच्छी बात नहीं है।

हैंडसम लुक चाहिए तो आजमाएं ये 5 टिप्स

आज के समय में जितना महिलाएं अपने लुक को लेकर सजग रहती है, पुरुष भी उनसे कम नहीं हैं। आज के युवा हैंडसम दिखने के लिए हर तरह से अपनी बॉडी की केयर करते हैं। आइए देखें कि ये पांच टिप्स कैसे काम के हो सकते हैं एक हैंडसम लुक के लिए

शेविंग, स्क्रब और फेसवाश: सबसे पहले तो मर्दों को शेविंग रेग्युलरली करनी चाहिए अगर आपका इरादा कोई स्पेशन बीयर्ड लुक अपनाने की इच्छा ना हो। शेविंग के बाद फेस को स्क्रब और बेहतर फेसवाश से साफ करना ना भूलें इससे चेहरे पर एक इंस्टेंट ग्लो और स्मूथनेस आती है।

टोनर और मॉश्चराइजर : फेस को क्लीन करने बाद अपने चेहरे की स्किन पर पीएच बैलेंस बनाए रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का टोनर भी जरूर यूज करें। टोनर को ऑटन में लेकर फेस पर लगायें और उसे ड्राइ होने दें। इसके बाद हल्का मॉश्चराइजर लगाएं। इस सीजन में पुरुषों के लिए टिंटेड मॉइश्चराइजर बेस्ट होता है। इससे चेहरा नैचुरल और ग्लोइंग लगता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर: मर्दो का चेहरा जल्दी ऑयली लगने लगता है इसलिए बाहर निकलने के पहले अच्छा स्किन शेड से मैच करता कॉम्पेक्ट लगाना ना भूलें। इससे चेहरा तेल से भरा और चिपचिपा नहीं लगेगा।

कंसीलर: गर्मी में खासतौर पर आंखों के नीचे के काले घेरे आ जाते हैं। इससे आपका चेहरा डल और आप थके हुए लगने लगते हैं। इससे बचने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। कंसीलर यूज करने के बाद हल्का फाउंडेशन भी लगायें।

लिप बाम : अगर आप समझते हैं कि गर्मियों में होंठ नहीं फटते तो आप बिलकुल गलत हैं। होंठों की त्वचा काफी मुलायम होती है और बहुत जल्दी डीहाइड्रेट हो जाती है।

क्या आपका टूथब्रश कर रहा है आपको बीमार

दांतों को साफ करने में टूथपेस्ट के साथ-साथ टूथब्रश की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन अगर इसके रख रखाव में लापरवाही बरती जाये तो इसके कारण हम बीमार भी हो सकते हैं।

ब्रश का रखें ख्याल

दांतों को साफ रखने और कीटाणुओं से बचाने के लिए आप टूथब्रश का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन शायद इस बात से आप अनजान हैं, कि आपका यही ब्रश आपको बीमार भी कर सकता है। दांतों की सफाई के लिए आप जितना तवज्जो अच्छे टूथपेस्ट को देते हैं, उससे कहीं अधिक महत्व टूथब्रश का होता है। दांतों की सफाई के लिए आपकी जरूरत के हिसाब से सही टूथब्रश का चुनाव करना बहुत जरूरी है। आइए हम आपको बतातें है टूथब्रश से जुड़ी कुछ जरूरी बातें।

ब्रश का शेप भी जरूरी

बाजार में इन दिनों तरह-तरह के शेप वाले टूथब्रश उपलब्ध हैं। ऐसे में गोल सिर वाले ब्रश सबसे अधिक आरामदायक होते हैं और ये अपेक्षाकृत अधिक तेजी से दांतों के कोने तक पहुंचते हैं। सामान्यतः एक इंच लंबे और आधा इंच चौड़े सिर वाले टूथब्रश दांतों के लिए सटीक माने जाते हैं। साथ ही, टूथब्रश का हैंडल जितना लंबा होगा उन्हें पकड़ना उतना अधिक आसान होगा।

ब्रश करने की सही तरीका

सही टूथब्रश के चयन के साथ-साथ यह भी जरूरी है कि आपके ब्रश करने का तरीका कितना सही है। ब्रश करने का सही तरीका यह है कि टूथब्रश को दांतों के एनामेल यानी जोड़ पर ऊपर से नीचे और दाएं से बाएं की ओर करें। एक साथ तीन दांतों पर इसी विधि से ब्रश करें। ब्रश करने की प्रक्रि या के दौरान जीभ की सफाई भी बेहद जरूरी है।

बदलते रहें ब्रश

चिकित्सकों का मानना है कि हर दो महीने के अंतराल में टूथब्रश बदलना चाहिए। पुराने टूथब्रश के ब्रिसल्स सख्त हो जाते हैं जिससे दांतों की सफाई सही तरीके से नहीं हो पाती और इनसे संक्रमण की आशंका भी अधिक रहती है।

प्लास्टिक के कंटेनर में ना रखें

क्या आप अपने टूथब्रश को कंटेनर में रखते है, तो अपनी ये आदत बदल दीजिए। अगर आप टूथब्रश को बंद कर देंगे तो ब्रश ठीक से सूख नहीं पाएगा, जिससे बैक्टीरिया उसी में रह जाता है। और अगर आप अपने परिवार वालों के ब्रश भी उसी में रखते हैं तो वो सभी टूथब्रश में फैल जाएंगे। इसलिए कभी भी टूथब्रश एक साथ बंद करके नहीं रखने चाहिए।

बांटे नहीं

आप कहीं अपना टूथब्रश किसी के साथ शेयर तो नहीं करते अगर हां तो ये आदत आपको बीमार कर सकती है। आप अपना टूथब्रश कितना भी साफ क्यों ना रखते हों, इसमें से सभी तरह के बैक्टीरिया नहीं खत्म कर सकते। इसलिए अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हो तो अपना टूथब्रश किसी के साथ भी ना बांटे। इससे आपके साथ दूसरा भी बीमार हो सकता है।

साफ रखें ब्रश

अपने ब्रश को साफ रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है। समय-समय पर अपने ब्रश को माउथवॉश या हाइड्रोजन पैराऑक्साइड से साफ करते रहें। साथ ही रोजाना ब्रश करने के बाद उसे पानी से अच्छे से साफ करें। इस तरह आप ब्रश में होने वाले बैक्टीरिया को खत्म कर सकते हैं। इससे ब्रश की लाइफ भी बढ़ जाती है।

कमोड ढक कर रखें

अगर आपका टूथब्रश बाथरूम में ही रहता है तो ध्यान रखें कि आप अपने कमोड को ढक कर रखें। वरना बैक्टीरिया सीधे आपके ब्रश तक पहुंचा जायेंगे। जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसलिए अगली बार बाथरूम का प्रयोग करने के बाद कमोड को ढकना नहीं भूलें। या आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

रेसिपी

पुदीना गट्टा की सब्ज़ी

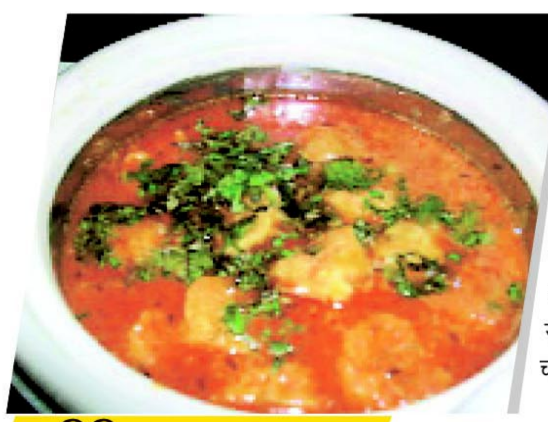

सामग्री

बेसन दो कटोरी
तीन बड़े चम्मच पुदीना
हरी मिर्च का पेस्ट
नमक
थोड़ी सी अजवाइन
सरसों का तेल
चाट मसाला, नींबू

विधि

एक बर्तन में बेसन, पुदीना हरी मिर्च का पेस्ट नमक और अजवाइन मिक्स करें। थोड़ा पानी डालें।
अच्छी तरह से मिलाकर गूंध लें। इसके गट्टे बना लें। पानी में उबालें।
पक जाने पर गट्टों को मनचाहे आकार में काट लें।
तेल में फ्राई करें। चाट मसाला छिड़कें।
थोड़ा सा नींबू निचोड़ लें।
आप चाहें तो प्याज टमाटर की ग्रेवी के साथ भी इन गट्टों का स्वाद ले सकती हैं।

टेस्टी ब्रेड बालूशाही

सामग्री

10 से 12 - स्लाइस ब्रेड (सैंडविच), 250 ग्राम - चीनी, 200 ग्राम - मावा, एक पाव - बादाम (एक कटोरी) ,थोडी - सी केसर , 1 चम्मच - चिरोंजी ,घी - तलने के लिए, इलायची दाने।

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई को गर्म करें और इसमें मावा डालकर गुलाबी होने तक भुनें। अब इसमें ड्रायफ्रूट्स और इलायची दाने को डालें और मिला लें। ब्रेड को दूध में भिगो दें फिर उसमें खोए का मिश्रण भरकर दबाएं और बालूशाही का आकार दें। केसर को एक-दो बूंद दूध में भिगो दें और बालूशाही के बीच में अंगूठे से थोड़ा-थोड़ा सब में रंग लगा दें अब एक कढ़ाई को गर्म करे और इसमें घी डालकर बालूशाही को सुनहरे होने तक तलें। अब चीनी चाशनी में इसे थोडी देर रहने दे फिर निकाल लें, लाजवाब ब्रेड की बालूशाही तैयार है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**